संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 128
पृष्ठ 8
सोमवार
26 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मेरी छवि खराब करने की...

विचार- युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने...

खेल- बहिष्कार की धमकी देकर पलटा...

मतदाता दिवस पर पीएम का संदेशः , कहा- मतदान एक बड़ी जिम्मेदारी

पहली बार वोटर बनने को उत्सव की तरह मनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मतदाता बनना उत्सव मनाने का एक गौरवशाली मौका है। उन्होंने माई भारत के स्वयंसेवकों को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने आग्रह किया है कि जब कोई युवा पहली बार वोटर बने, तो इस खुशी को मिलकर मनाना चाहिए। इसको लेकर उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक पत्र साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा, प्यारे देशवासियो राष्ट्रीय मतदाता दिवस की आपको, आपके परिवारजनों और मित्रों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। देश के एक नागरिक के रूप में आपसे जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। आप सभी की तरह भारतीय लोकतंत्र पर मुझे भी अत्यंत गर्व है। भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहा जाता है और यह सही भी है। हमें इस बात पर भी गर्व है कि भारत लोकतंत्र की जननी है, जिसके लोकतांत्रिक मूल्यों का इतिहास सदियों पुराना है। लोकतंत्र, बहस और संवाद हमारी संस्कृति में रचे–बसे हैं। देश में आम चुनाव की शुरुआत 1951 में हुई थी, यानि इस वर्ष हम उसके 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं। 1952 में संपत हुए इस चुनाव ने दुनिया को बताया कि लोकतांत्रिक भावना भारतीयों के स्वभाव में समाहित है। लोकतंत्र में मतदाता होना विशेषाधिकार के साथ–साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मतदान एक संवैधानिक अधिकार है, जो भारत के भविष्य में उसके नागरिकों की भागीदारी का प्रतीक है। मतदाता देश का भाग्यविधाता होता है। मतदान के अवसर पर उंगली पर लगने वाली अमिट स्याही बताती है कि हमारा लोकतंत्र बहुत जीवंत है और इसका उद्देश्य काफी बड़ा है।

उन्होंने आगे कहा, आपके मित्रों या रिश्तेदारों में कई ऐसे युवा हो सकते हैं, जो पहली बार वोटर बन रहे हैं। उनके जीवन के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण है। पहली बार मतदाता बनने वालों का लोकतंत्र में इसलिए भरपूर स्वागत होना चाहिए, क्योंकि उनके पास देश के भाग्य को बदलने की क्षमता है। आज मैं आप सभी से एक विशेष आह्वान करना चाहता हूं। जब आप या आपके आसपास का कोई युवा पहली बार मतदाता बने, तो उसका उत्सव जरूर मनाएं। घर पर या फिर अपने मोहल्ले और अपार्टमेंट में मिठाई बांटकर इसे मना सकते हैं। हमारे स्कूल और कॉलेज लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने में एक नर्सरी की तरह अहम भूमिका निभाते हैं। मेरा आग्रह है कि वे अपने छात्र के पहली बार मतदाता बनने के अहम पड़ाव को सेलिब्रेट जरूर करें। इसके लिए ऐसे समारोह आयोजित किए जा सकते हैं, जहां नए वोटर को सम्मानित किया जाए। इससे उन्हें यह अहसास होगा कि उनकी यह नई जिम्मेदारी कितनी महत्वपूर्ण है। हमारे स्कूलों और कॉलेजों के परिसर ऐसे अभियानों का केंद्र भी बन सकते हैं, जिनसे यह सुनिश्चित हो कि हर पात्र युवा वोटर के रूप में जरूर पंजीकृत हो। हर साल 25 जनवरी यानि राष्ट्रीय मतदाता दिवस इन एक्टिविटीज के लिए एक उपयुक्त अवसर है। दुनिया के लिए इतने बड़े पैमाने पर इलेक्शन होना चुनाव प्रबंधन की दृष्टि से एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं, हमारे लिए यह प्रबंधन के अलावा लोकतंत्र का एक भव्य उत्सव है, जहां हम सभी वोटर के रूप में इसे मिलकर सेलिब्रेट करते हैं। वोटिंग करने को लेकर देशवासियों की प्रतिबद्धता बहुत गहरी है। चाहे वो हिमालय की ऊंचाइयों पर रहते हों, अंडमान–निकोबार के द्वीपों में हों, रेगिस्तान में या फिर घने जंगलों में, वे चोट करके यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी आवाज जरूर सुनी जाए। लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति वोटर्स की यह प्रतिबद्धता आने वाले समय के लिए भी बड़ी प्रेरणा होगी। समावेशी लोकतंत्र के लिए हमारी नारी शक्ति, विशेषकर युवा महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा-

युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं नितिन नबीन-योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन संग प्रधानमंत्री के 'मन की बात' सुनी। वृंदावन के अक्षयपात्र में कार्यक्रम में दोनों नेता सम्मिलित हुए।मुख्यमंत्री ने पहली बार यूपी के दौरे पर पहुंचे भाजपा अध्यक्ष का ब्रज की धरा पर स्वागत–अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने राधे–राधे, वृंदावन बिहारी लाल, राधा रानी, यमुना मैया, हर–हर महादेव, जय श्रीराम, भारत माता की जय तथा वंदे मातरम की गूंज के साथ आध्यात्मिक, राष्ट्रवादी चेतना का संचार करते हुए संबोधन की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं। बिहार विधानसभा में पांचवीं बार विधायक के रूप में सेवाए दे रहे हैं। संगठन के विभिन्न पदों का निर्वहन के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व मिला है। योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन धरा पर उनका प्रथम आगमन आह्लादकारी क्षण है। ब्रज प्राचीन काल से तीर्थ भूमि रही है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव तीर्थ हजारों वर्षों से सनातन धर्मावलंबियों के लिए प्रेरणा हैं। यहां के रज–रज, कण–कण में श्रीकृष्ण, राधा रानी और हजारों वर्षों की विरासत का अंश श्रद्धालु आज भी ढूंढते हैं। उसके साथ तारतम्य स्थापित करने का प्रयास करते हैं। अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पावन जन्मभूमि भी मथुरा में पड़ती है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से ब्रज भूमि भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत के साथ ही विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए बढ़ रही है। यूपी अब 'बीमारू' नहीं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था का ब्रेकथ्रू बनकर संबल बन रहा है। पांच साल से अधिक समय से यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। डबल इंजन सरकार डबल स्पीड के साथ बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों को धरातल पर उतारती है। हर नागरिक को सुरक्षा का अहसास कराती है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं के साथ बिना भेदभाव वंचित, नौजवान, किसान, महिलाओं समेत हर तबके को वरीयता के आधार पर शासन की योजना का लाभ दे रही है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर खरगे बोले- चुनाव आयोग दबाव में, इसकी आजादी बचाना हमारी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि हाल के दिनों में चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को लगातार दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं की आजादी की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है, ताकि लोकतंत्र सिर्फ जिंदा न रहे, बल्कि तरक्की करे। नेशनल वोटर्स डे के मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्सश पर खरगे ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह दिन याद दिलाता है कि देश का भविष्य उसके लोगों के हाथ में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के लोगों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और निडर चुनाव का हक है। इसके लिए साफ वोटर लिस्ट और सबको बराबर मौका मिलना बहुत जरूरी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि श्वोट चोरीश और बिना किसी योजना के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है। यह भारत के पुराने लोकतंत्र को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि हमें चुनाव आयोग की ईमानदारी बचानी होगी। बता दें कि चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को हुई थी। भारत के गणतंत्र बनने से एक दिन पहले यह संस्था बनी थी। पिछले 16 वर्षों से इस दिन को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

खालिस्तानी समूह ने सरहिंद रेल लाइन पर हुए धमाके की जिम्मेदारी ली

चंडीगढ़। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में गणतंत्र दिवस से कुछ दिन पहले अमृतसर–दिल्ली रेलवे लाइन पर सरहिंद रेलवे स्टेशन से कुछ दूर खानपुर गांव के पास हुए धमाके की जिम्मेदारी एक खालिस्तानी चरमपंथी संगठन ने ली है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह घटना रात करीब 9:50

बजे हुई, जब एक मालगाड़ी खानपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास एक नए बने रेल ट्रैक पर लुधियाना की ओर जा रही थी। यह लाइन मुख्य रूप से मालगाड़ियों के लिए इस्तेमाल की जाती है। धमाका इतना शक्तिशाली था कि इंजन को नुकसान पहुंचा और रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा नष्ट हो गया, ट्रैक के पुर्जे और स्लीपर घटनास्थल पर बिखरे हुए थे। घटना के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर एक पत्र सामने आया जिसमें एक खालिस्तानी चरमपंथी समूह ने धमाके की जिम्मेदारी ली। समूह ने संदेश में कहा कि धमाका एक चेतावनी के तौर पर किया गया था और इसे एक ष्ट्रेलरष बताया, साथ ही आगे की धमकियां भी दीं। अधिकारियों ने कहा है कि पत्र की प्रामाणिकता और उसमें किए गए दावों की जांच की जा रही है और इस स्तर पर इसे पुष्ट नहीं माना जाना चाहिए। सुरक्षा एजेंसियों को विस्फोटक के इस्तेमाल का संदेह है।

गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा रहा प्रदूषण

जंगलों की आग से हर साल हवा में घुल रहा 14.3 करोड़ टन जहर

नई दिल्ली,एजेंसी। जंगलों में धधकती आग अब सिर्फ हरियाली को नहीं, बल्कि इंसानी सेहत और वैश्विक वायु गुणवत्ता को भी गहरे संकट में डाल रही है। नए वैश्विक अध्ययनों से सामने आया है कि जंगलों की आग हर साल औसतन 14.3 करोड़ टन जहरीले कार्बनिक प्रदूषक वातावरण में छोड़ रही है, जो अब तक लगाए गए अनुमानों से करीब 21 फीसदी अधिक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अदृश्य जहर सांस के जरिये इन्सानी शरीर में पहुंचकर गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा रहा है और जलवायु

परिवर्तन की चुनौती को और जटिल बना रहा है। जर्नल एनवायरमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित इस नए अध्ययन के मुताबिक दुनिया भर में जंगलों, घास के मैदानों और पीटलैंड में लगने वाली आग पहले के अनुमानों से कहीं ज्यादा मात्रा में हानिकारक गैसें और कार्बनिक यौगिक वातावरण में छोड़ रही है। शोधकर्ताओं ने 1997 से 2023 के बीच जली वनस्पतियों के वैश्विक आंकड़ों का विश्लेषण किया।

राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने तेजस्वी, लालू परिवार के साथ संजय भी हुए ये शामिल

पटना,एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक पटना के मौर्या होटल में चल रही है। इस बैठक में तेजस्वी यादव को राजद का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती के साथ संजय यादव भी मौजूद थे। बैठक की अध्यक्षता खुद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने किया। स्वास्थ्य कारणों और भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए लालू यादव अपनी विरासत को औपचारिक रूप से तेजस्वी के हाथों में सौंपने की तैयारी में हैं और इसी वजह से यह निर्णय लिया गया है। बैठक में लालू प्रसाद यादव के अलावा देशभर से आए लगभग 200 डेलिगेट्स और कार्यकारिणी के सदस्य शिरकत कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आगामी चुनाव और संगठन की मजबूती को देखते हुए एक ऊर्जावान नेतृत्व की जरूरत महसूस की जा रही है। तेजस्वी यादव पहले ही बिहार में विपक्ष का चेहरा बनकर उभरे हैं, लेकिन कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनके पास संगठन के अखिल भारतीय स्तर पर फैसले लेने की आधिकारिक शक्ति होगी।

न तब, न अब, आगे भी नहीं देंगे हिंदी को जगहः एमके स्टालिन

चेन्नई,(एजेंसी)। तमिलनाडु की डीएमके सरकार वर्षों से हिंदी का विरोध कर राज्य की सत्ता में आती रही है। डीएमके केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति (NEP) के जरिए हिंदी को बढ़ावा देने के प्रयासों को शहिंदी थोपनाश बताकर लगातार विरोध करती रही है। पार्टी का स्पष्ट रुख है कि तमिलनाडु में हिंदी को कभी अनिवार्य नहीं होने दिया जाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को भाषा शहीद दिवस के मौके पर राज्य के शभाषा शहीदोंश को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में हिंदी के लिए श्न तब जगह थी, न है और न ही कभी होगी।श स्टालिन ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संदेश में कहा कि तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जिसने अपनी भाषा को जीवन की तरह प्रेम किया और हिंदी थोपे जाने के खिलाफ हर बार एकजुट होकर उतनी ही तीव्रता से संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि हिंदी थोपने के प्रयासों का राज्य ने हमेशा विरोध किया है। हिंदी विरोधी आंदोलन का साझा किया वीडियो सीएम एमके स्टालिन ने भाषा आंदोलन के

इतिहास से जुड़ा एक संक्षिप्त वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में 1965 के दौरान चरम पर पहुंचे हिंदी विरोधी आंदोलन, उसमें शहीद हुए लोगों और डीएमके के दिवंगत नेताओं सीएन अन्नादुराई तथा एम करुणानिधि के योगदान का उल्लेख किया गया है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व कर उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई समुदायों के अधिकार और पहचान की रक्षा की। उन्होंने तमिल भाषा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों को नमन करते हुए कहा कि अब भाषा के नाम पर कोई और जान नहीं जानी चाहिए।

शहर मदरसे में पढ़ाया जाए भारत का संविधान–मौलाना रजवी ने की अपील

बरेली,संवाददाता। बरेली में ऑल इंडिया मुस्लिम जमात की ओर से मदरसा जामियातुस सुवालेहात में रविवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम हुआ। इसमें मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि गणतंत्र दिवस देश के लिए जश्न का दिन है। गणतंत्र दिवस अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक के लिए बड़ी नेमत है। संविधान देश की एकता और अखंडता की गारंटी है। जम्हूरियत (लोकतंत्र) देश की आजादी का नतीजा है। मौलाना ने मुस्लिम संस्थाओं के स्कूल–कॉलेज और मदरसों के जिम्मेदारों से अपील करते हुए कहा कि हर बच्चे को भारतीय संविधान पढ़ाएं ताकि नई पीढ़ी ये जान सकें कि संविधान ने अपने नागरिकों को कौन कौन से अधिकार दिए हैं। किस तरह से हमें आजादी हासिल है। मदरसों के छात्र इस तरह की किताब नहीं पढ़ पाते हैं। मदरसों में संविधान का पढ़ाया जाना बहुत जरूरी है।

कार्यक्रम में मदरसा जामियातुस सुवालेहात के प्रबंधक मुफ्ती फारूक मिस्बाही ने कहा कि भारत विकास और विश्व नेतृत्व के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। इसलिए इसकी महत्वाकांक्षाओं और घरेलू असंगतियों के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता है। अयोध्या विवाद जैसे नए विवाद धार्मिक समुदायों के हितों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

सूचना

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

शुभकामना

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

अचला सप्तमी पर संगम स्नान के लिए उमड़ी भीड़, दोपहर 12 बजे तक 50 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

प्रयागराज। माघ मेले में रविवार को अचला सप्तमी पर श्रद्धालओं की भारी भीड़ उमड़ी। संगम पहुंचने के हर मार्ग पर भक्तों की भीड़ दिख रही है। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के खासा इंतजाम हैं। मेला प्रशासन ने दोपहर 12 बजे तक 50 लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने का दावा किया है।

माघ मेले में रविवार को अचला सप्तमी पर श्रद्धालओं की भारी भीड़ उमड़ी। संगम पहुंचने के हर मार्ग पर भक्तों की भीड़ दिख रही है। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के खासा इंतजाम हैं। मेले में वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। घाट पर पुलिस, पैरामिलिट्री, पीएसी और सिविल डिफेंस लोग तैनात हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु श्री बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जगह–जगह भंडारे का आयोजन चल रहा है। रविवार छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में स्थानीय लोगो भी पहुंचे हैं। इसके अलावा दूसरे जनपदों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मेला प्रशासन का अनुमान है कि अचला सप्तमी पर 50 लाख से अधिक श्रद्धालु स्नान कर सकते हैं।

दोपहर 12 बजे तक 50 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई

संगम नोज समेत माघ मेला के घाटों पर रात से ही दर्शनार्थियों की भीड़ से मेला गुलजार हो गया है। सूर्योदय का इंतजार किए बना श्रद्धालुओं ने भोर से ही डुबकी लगानी शुरू कर दी। जिस ओर से श्रद्धालु पहुंचे उधर के ही घाट पर स्नान किया। गंगा यमुना सरस्वती की जय घोष के साथ श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन किया। भीड़ की वजह से लोग एक दूसरे का हाथ पकड़ कर चल रहे हैं। राम नाम संकीर्तन करते करने वाली भजन मंडलीय श्रद्धालुओं में भक्ति भाव का संचार पैदा कर रही हैं। संगम में डुबकी के साथ दान और ध्यान में रमे लोग रेती पर जम गए हैं। मेला प्रशासन ने दोपहर 12 बजे तक 50 लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने का दावा किया है। चौकस व्यवस्था के बीच संगम नोज समेत अन्य घाटों पर सुबह से ही ध्यान पूजा की होड़ मची हुई है।

मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन बना

अचला सप्तमी के पावन अवसर पर संगम सहित

गंगा–यमुना के 24 से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ है। मेला प्रशासन ने अनुमान जताया है कि इस दौरान 40 से 50 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। वसंत पंचमी पर आए लाखों श्रद्धालु अभी भी मेला क्षेत्र के शिविरों में ठहरे हुए हैं, जो अचला सप्तमी स्नान के बाद वापसी कर सकते हैं।

श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोगों की बढ़ती आवाजाही से भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गई है। इसे देखते हुए प्रशासन ने मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन बनाने की व्यवस्था की है। मेलाधिकारी ऋषिराज के अनुसार अचला सप्तमी पर महाराष्ट्र, बिहार, नेपाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित प्रदेश के कोने–कोने से श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि 40 से 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

अचला सप्तमी का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में सप्तमी तिथि का विशेष महत्व है। माघ मास की सप्तमी को अचला सप्तमी कहा जाता है। इस दिन सूर्यदेव की विधिवत पूजा की जाती है। 25 जनवरी को श्रद्धालु अचला सप्तमी का व्रत भी रखेंगे। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत में मसूर की दाल, गाजर और किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ के सेवन की मनाही है। वहीं, शनिवार को भी संगम तट पर आस्था, विश्वास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य स्नान कर दीपदान किया। हालांकि, कोहरे व धुंध के कारण श्रद्धालुओं को सूर्यदेव के साफ दर्शन नहीं हो सके।

पांटून पुलों की व्यवस्था

परेड से झूंसी जाने के लिए रू पांटून पुल संख्या– तीन, पांच और सात

झूंसी से परेड आने के लिए रू पांटून पुल संख्या– चार और छह

पार्किंग की व्यवस्था

प्लॉट नंबर–17 पार्किंग रू श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली मार्ग से अपर संगम मार्ग, संगम स्नान घाट, हनुमान घाट व रामघाट पर जा सकेंगे। स्नान के बाद श्रद्धालु अक्षयवट खड़ंजा मार्ग से त्रिवेणी वापसी मार्ग होते हुए पार्किंग स्थल तक पहुंच सकेंगे।

गल्ला मंडी पार्किंग रू श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली–दो मार्ग से मोरी रैंप, किलाघाट मार्ग पहुंचकर काली उत्तरी घाट, मोरी घाट, शिवाला घाट व दशाश्वमेध घाट जा सकेंगे। इसके बाद गंगा मूर्ति चौराहा से ओल्ड जीटी रोड थाना दारागंज के सामने से या रिवर फ्रंट मार्ग से लौट सकेंगे।

नागवासुकि पार्किंग रू श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल रिवर फ्रंट मार्ग या अन्य रास्ते से नागवासुकि स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद रिवर फ्रंट मार्ग से पार्किंग में पहुंचकर अपने वाहनों से गंतव्य को वापस जा सकेंगे।

ओल्ड जीटी कछार पार्किंग रू श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नागवासुकि मार्ग से पांटून पुल नंबर–चार, पांच पश्चिमी के मध्य बने स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद ओल्ड जीटी मार्ग, ओल्ड जीटी कछार पार्किंग से वापस जा सकेंगे।

टीकरमाफी महुआबाग पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल महुआबाग पार्किंग से जीटी रोड, टीकरमाफी से त्रिवेणी मार्ग पांटून पुल नंबर–दो व तीन से स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद काली मार्ग, टीकरमाफी, जीटी रोड से महुआबाग पार्किंग लौट सकेंगे।

सोहम आश्रम पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल रिवरफ्रंट, अक्षयवट मार्ग, पांटून पुल एक के दक्षिणी ऐरावत स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद महावीर मार्ग, रिवरफ्रंट से झूंसी मार्ग पर सोहम आश्रम पार्किंग लौट सकेंगे।

देवरख कछार पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल सोमेश्वर महादेव रैंप मार्ग से सोमेश्वर महादेव स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद उसी मार्ग से देवरख कछार पार्किंग या संबंधित पार्किंग में पहुंच सकेंगे।

गजिया पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल अरैल घाट मार्ग से फलाहारी बाबा आश्रम के सामने से बांध रोड, अरैल घाट, चक्रमाधव घाट व अन्य स्नान घाटों पर जा सकेंगे। इसके बाद अरैल बांध रोड पहुंचकर सच्चा बाबा आश्रम से वापस जा सकेंगे।

नवप्रयागम पार्किंगः श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नवप्रयागम अप्रोच मार्ग से अरैल बांध रोड, अरैल घाट, चक्रमाधव घाट व अन्य स्नान घाटों पर जा सकेंगे। इसके बाद संकट मोचन मार्ग, नवप्रयागम अप्रोच मार्ग से नवप्रयागम पार्किंग लौट सकेंगे।

नागपुर से युवक का शव पहुंचने पर मचा कोहराम, ग्रामीणों ने किया थाने का घेराव

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के मदारीपुर गांव निवासी रामजी के पुत्र नागेंद्र कुमार (21) की नागपुर के जरी पटका थाने में मौत हो गई थी। शनिवार को शव घर पहुंचा तो ग्रामीण आक्रोशित हो गए। सैकड़ों ग्रामीण शव लेकर उतरांव थाने पहुंचे और सैदाबाद–बलीपुर मार्ग पर जाम लगाकर विरोध किया।

परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की। आक्रोशित लोगों का कहना था कि नागेंद्र की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ घंटे के लिए सैदाबाद–बलीपुर मार्ग को भी जाम कर दिया था। पुलिस ने समझाने–बुझाने का प्रयास किया, लेकिन विरोध जता रहे परिजन एवं ग्रामीण कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

बता दें कि किशोरी को भगाने के मामले में नागेंद्र वांछित चल रहा था। किशोरी को उसके घर से बरामद किया गया था। 18 जनवरी को महाराष्ट्र पुलिस उसे नागपुर ले गई। 22 जनवरी को महाराष्ट्र पुलिस ने नागेंद्र के घर पर सूचना की दी उसने हवालात में फंदे से लटककर जान दे दी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस हिरासत में नागेंद्र की मौत हुई है। अगर वह दोषी था तो उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत पेश किया जाना चाहिए था। मृतक के पिता राम जी ने मामले में महाराष्ट्र पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। वहीं विरोध के दौरान ग्रामीणों ने उतरांव थाने के कुछ पुलिसकर्मियों पर गाड़ी तोड़ने और मारपीट करने गाली गलौज करने का भी आरोप लगाया है। सूचना पर हंडिया के विधायक हाकिम लाल बिंद भी थाने पहुंचे और पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा जताया। इसके बाद परिजन शव को लेकर घर चले गए। पीड़ित परिजनों के घर भाजपा गंगापार जिला अध्यक्ष निर्मला पासवान भी पहुंचीं। थाना अध्यक्ष उतरांव प्रीतम कुमार तिवारी ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच के कार्रवाई की जाएगी।

दवाएं मुफ्त, पर खरीद रहे पानी

प्रयागराज। ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए बना अस्पताल जब खुद ही बीमार हो, तो मरीजों का भटकना तय हो जाता है। मऊआइमा क्षेत्र के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धरौता की हालत भी कुछ ऐसी ही है। इस स्वास्थ्य केंद्र में न तो डॉक्टर नियमित रूप से उपलब्ध हैं और न ही इलाज के लिए जरूरी उपकरण। हालात इतने बदतर हैं कि अस्पताल में भले ही मुफ्त दवाएं मिल जाएं, लेकिन मरीजों और उनके तीमारदारों को पीने के पानी को बाहर से खरीदारी करनी पड़ती है। अस्पताल परिसर में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, यहां तक कि एक हैंडपंप तक नहीं लगाया गया है। स्वास्थ्य केंद्र की इस अव्यवस्था से क्षेत्रीय ग्रामीणों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि जब बुनियादी सुविधाएं ही नदारद हों, तो सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा कैसे किया जाए। जिम्मेदारों की लापरवाही से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। सोरांव के पूर्व भाजपा विधायक रंगबहादुर पटेल की पहल पर ढाई दशक पहले धरौता गांव में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की शुरुआत हुई थी। दो एकड़ में अस्पताल के साथ ही डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए आवासीय बिल्डिंग बनाई गई। इस अस्पताल से बोड़ीपुर, धरौता, चंदीपट्टी, कटभर प्रवेजपुर, छात बड़ौरा, सिटकहवा, तिलई बाजार और घीनपुर सहित कई गांवों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद थी, लेकिन पिछले तीन वर्षों से स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सक लापता हैं। फार्मासिस्ट मधुकर श्रीवास्तव व वार्ड बॉय राजेश सिंह पर मरीजों की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों ने कहा कि अस्पताल जब शुरू हुआ था तो 120 से 150 मरीजों की ओपीडी होती थी। अब ओपीडी 20 से 25 तक सीमित हो गई।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी, समर्थन में पहुंचे इविवि के छात्रों लगाए नारे

प्रयागराज। उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का धरना लगातार आठवें दिन जारी है। वह माघ मेले में त्रिवेणी मार्ग पर स्थित अपने शिविर के सामने धरने पर बैठे हैं।

उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का धरना लगातार आठवें दिन जारी है। वह माघ मेले में त्रिवेणी मार्ग पर स्थित अपने शिविर के सामने धरने पर बैठे हैं। बड़ी संख्या में साधु–संत और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग उनका दर्शन करने और आशीर्वाद लेने के लिए पहुंच रहे हैं। रविवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र शंकराचार्य के समर्थन में पहुंचे और नारेबाजी की। छात्रों ने कहा कि शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान है। बटुकों और संन्यासियों की शिखा और चोटी पकड़कर घसीटना और पीटने की घटना से हर धर्मावलंबी को अंदर से हिलाकर रख दिया गया है।

शंकराचार्य के पक्ष में शहरियों को एकजुट करने के लिए पुरनियों ने की पहल

इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पुरनियों की पहल पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के न्याय की लड़ाई में शहरियों को एकजुट करने के लिए पहल शुरू हुई है। छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष श्यामकृष्ण पांडेय ने कहा कि इलाहाबाद की धरती हमेशा से न्याय के साथ खड़ी हुई है। ऐसे में जब सनातन के सबसे बड़े गुरु शंकराचार्य के सम्मान से खिलवाड़ हो तो यह जरूरी हो जाता है कि शहर के छात्रनेता, अधिवक्ता, बुद्धिजीवी, लेखक आदि लोग एक होकर इस लड़ाई को मजबूती दें।

पूर्व अध्यक्ष अनुग्रह नारायण सिंह ने कहा कि जिस प्रकार बटुकों के साथ मारपीट की गई, वह अन्यायपूर्ण है। हम सबको इसके खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी। इसी कारण हर राजनीतिक दल के नेताओं को एक मंच पर आकर संघर्ष में साथ देना होगा। पूर्व अध्यक्ष केके राय व सपा नेता संदीप यादव ने कहा कि संगम की रेती पर संत–संन्यासियों पर हमला माघ मेला की संस्कृति पर हमला है।

पूर्व अध्यक्ष अजित यादव और संजय तिवारी ने कहा कि शंकराचार्य के हक में न्याय की इस लड़ाई के लिए एक पहल शुरू की गई है कि सभी नेता,

छात्र संगठनों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता, व्यापारी एक होकर उनके साथ खड़े हों। पूर्व उपाध्यक्ष बाबा अभय अवस्थी व महामंत्री अंशुमान मिश्र ने कहा कि भाजपा का असली चाल–चेहरा व चरित्र सामने आ गया है। इस दौरान प्रो.हरिशंकर उपाध्याय, प्रभाशंकर मिश्र, मुकुंद तिवारी, सुरेश यादव, अभिषेक यादव, विकास तिवारी, अखिलेश गुप्ता, देवधर तिवारी, विवेकानंद पाठक, रजनीश सिंह, अभ्युदय त्रिपाठी, जितेंद्र तिवारी, अजय सम्राट यादव, सौरभ सिंह रहे।

शंकराचार्य के शिविर के बाहर नारेबाजी, दी गई तहरीर

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर के बाहर शनिवार शाम कुछ अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक नारे लगाए। शिविर के प्रभारी पंकज पांडेय वे थाना कल्पवासी मेला क्षेत्र में तहरीर दी है। शंकराचार्य शिविर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी जारी किए गए हैं, जिनमें कुछ लोग नारे लगाते दिखाई व सुनाई दे रहे हैं। पंकज पांडेय द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि कुछ असामाजिक तत्व शनिवार शाम साढ़े छह बजे के आसपास लाठी–डंडों के साथ शंकराचार्य व उनके अनुयायियों को क्षति पहुंचाने की मंशा से पहुंचे और नारेबाजी शुरू कर दी। शिविर प्रभारी ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उधर, एसपी माघ मेला नीरज पांडेय का कहना है कि नारेबाजी की सूचना मिली थी। तहरीर अभी प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद जांच कराई जाएगी।

शंकराचार्य के अपमान को लेकर कांग्रेस चलाएगी जन जागरण अभियान

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला में मौनी अमावस्या पर संगम स्नान करने से रोकने का विवाद बढ़ता जा रहा है। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मुकुंद तिवारी ने चौक स्थित पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों और नेताओं संग बैठक कर प्रस्ताव प्रारित किया, जिसमें शंकराचार्य के अपमान को लेकर शहर के प्रत्येक वार्ड में जन जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

मुकुंद तिवारी ने कहा की जिम्मेदार अफसरों की संवादहीनता से शंकराचार्य के साथ–साथ संपूर्ण सनातनियों का घोर अपमान हुआ है। जन जागरण के जरिये यह बात लोगों तक पहुचाएंगे, ताकि चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो सके। वहीं, प्रदेश महासचिव विवेकानंद पाठक ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के शासन में साधु–संत भी सुरक्षित नहीं हैं।

उन्होंने कहा की सरकार के दबाव में प्रशासन धार्मिक नगरी को राजनीति का अखाड़ा बनाने पर उतारू है। कांग्रेसियों ने राज्यपाल से मामले में स्वतः संज्ञान लेकर प्रशासनिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस दौरान हसीब अहमद, अनूप त्रिपाठी, मनोज पासी, दीपचंद्र शर्मा, राजेश्वरी पटेल, मोहम्मद हसीन, भानु कुशवाहा, सुनील यादव, शकील अहमद रहे।

मेले में आए कई साधु–संत सीधे तौर पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ खुलकर सामने आने लगे हैं। साकेत धाम आश्रम बड़ा भक्तमाल राजगढ़, मध्य प्रदेश के जगद्गुरु स्वामी राम सुभग देवाचार्यजी महाराज बिनैका बाबा ने कहा है कि अच्छा कार्य होता है तो वह उपद्रव फैलाते हैं।

फुटपाथ पर बाजार... चलना दुश्वार

प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव में सुबह से रात तक फुटपाथ पर बाजार आबाद रहता है। जिसका खमियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता। जिस फुटपाथ को लोगों के पैदल आने–जाने के लिए बनाया गया है। वहां लोग दुकान लगाकर बैठे हैं। जिस वजह से कोरांव क्षेत्र में रोजाना जाम की स्थिति रहती है और लोगों को परेशान होना पड़ता है। बीते दिनों कोरांव में लगे जाम में घंटों एंबुलेंस फंसी रही। नगर पंचायत प्रशासन भी फुटपाथ खाली कराने के लिए कोई पहल नहीं कर रहा है। कोरांव बाजार की मुख्य सड़कों और फुटपाथ पर दुकानदारों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने फुटपाथ और सड़क की पटरियों पर कपड़े, लोहे और किराने की दुकानें सजा रखी हैं। दुकान पर स्थानीय लोग खरीदारी भी करते हैं। फुटपाथ पर कब्जा होने की वजह से लोग सड़क पर आड़े–तिरछे वाहन खड़ा कर देते हैं। जिस वजह से जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। राहगीरों का पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। लोगों ने बताया कि सब्जी मंडी तिराहा, गोल चौराहा से लेड़ियारी मार्ग पर सबसे ज्यादा जाम लग रहा है। फुटपाथ पर दुकान का सामान रखने से पैदल चलने वालों को दिक्कत होती है। कई बाजार तो राहगीरों और दुकानदारों में नोकझोंक की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है। वहीं, नगर पंचायत प्रशासन की ओर से कभी–कभार अभियान चलाकर फुटपाथ को खाली कराया जाता है लेकिन कुछ ही दिन में दुकानदार दोबारा कब्जा कर लेते हैं।

कोरांव बाजार में लगने वाले जाम की वजह से लोगों को घंटों परेशान होना पड़ता है। पुलिस और नगर पंचायत प्रशासन की ओर से इसके समाधान के लिए कोई पहल नहीं की जा रही है। – सोमदत्त सिंह सदस्य जिला पंचायत कोरांव

जाम की समस्या आम बात हो गई है। आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। जिम्मेदार उदासीन हैं। जाम से सबसे ज्यादा समस्या विद्यार्थियों को होती है, वे समय से विद्यालय नहीं पहुंच पाते हैं। – ललन सिंह पटेल

व्यापारियों के वोट के चक्कर में फुटपाथ पर लगी दुकानों को नहीं हटाया जाता है। दुकानदार सड़क और फुटपाथ पर कब्जा करके दुकान लगा रहे हैं। जिसका खमियाजा राहगीर स्थानीय लोग भुगत रहे हैं। – मेहताब खान नगर अध्यक्ष कोरांव सपा

बीते दिसंबर के तीसरे सप्ताह में एक एंबुलेंस घंटों तक जाम में फंसी रही, सूचना पर पहुंची पुलिस ने आधे घंटे के प्रयास के बाद एंबुलेंस जाम से निकल सकी। – अनिल मौर्य।

नगर पंचायत के ईओ को अभियान चलाकर फुटपाथ खाली कराने का निर्देश दिया गया है। – संदीप तिवारी, उपजिलाधिकारी कोरांव

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डा० बबिता अग्रवाल
एम. एस. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
कमला मेमोरियल क्लीनिक एवं नर्सिंग होम, प्रयागराज
फोन –0532–2402091

मतदाता दिवस के अवसर पर छात्रों ने ली शपथ

प्रयागराज। आज 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की समस्त इकाइयों द्वारा डॉक्टर प्यारेलाल प्रेक्षग्रह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया । आज के कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से प्रारंभ हुआ। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ यशवंत कुमार ने भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं पर चर्चा की जिसमें उन्होंने बताया की किस प्रकार भारत का संविधान, भारत के

प्रत्येक नागरिक की भूमिका राष्ट्र के निर्माण में उसके मताधिकार द्वारा सुनिश्चित करता है । इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अपने मत का प्रयोग विवेक पूर्ण करना चाहिए किसी के बहकावे में आकर नहीं करना चाहिए इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजन की कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूजा गौड़ ने उपस्थित सभी छात्र और छात्राओं को मतदान के लिए मतदाता शपथ दिलवाई इसके पश्चात छात्रों द्वारा एक जन जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें छात्रों द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कई नारों का उद्घोष किया गया जैसे की ष्सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दोष्एक वोट भी ना रह जाए, आओ करके यह दिखलाएंष्जन–जन की है यहीं पुकार, वोट देना हमारा अधिकारष्छोड़ दो अपने सारे काम पहले चलो करो मतदानष्

गांव पर खेत खलिहान, सब कहते करो मतदान

इसके पश्चात सभी छात्र चौधरी महादेव प्रसाद जी की मूर्ति के पास एकत्र हुए जहां पर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में जौनपुर ईकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता

में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ सुमन सिंह तथा डॉ सुषमा मिश्रा रहीं। यह काव्य गोष्ठी 5.30 बजे से 7.15 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान द्वारा दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति तृप्ति यादव द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन को सफल बनाया।

जिसमें डॉ सुषमा मिश्रा ने श्घर आने से रोकता है पर घर का पता बता देता है श, डॉ सुमन सिंह ने श्अभिनंदन मां शत् शत् वंदनश, तृप्ति यादव ने शपिताश, डॉ पूनम श्रीवास्तव ने श्मां शारदे श,शलिखा हुआ है ध्वनि ध्वनि में ये श, डॉ रेणुका पांडेय ने श्कलयुग की पूजाश,श्आया बसंत, डॉ मधु पाठक ने श्शारदे ओ शारदे ओ शारदे मां श, श्चांद सा चेहरा लिखूंश, पढ़ा। धन्यवाद ज्ञापन डॉ मधु पाठक ने किया।

धार्मिक गुरुओं के अपमान से बिगड़ता सौहार्द

प्रयागराज घटना पर शिया मार्कजी चांद कमिटी का आया रिएक्शन

लखनऊ, संवाददाता। प्रयागराज में माघ मेले के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े घटनाक्रम को लेकर शिया मार्कजी चाँद कमिटी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कमिटी के अध्यक्ष मौलाना सैफ अब्बास ने इस पूरे मामले की निंदा करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया है।

मौलाना सैफ अब्बास ने अपने बयान में कहा कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद देश के सम्मानित और प्रतिष्ठित ध ार्मिक व्यक्तित्व हैं। उनके साथ जिस तरह का व्यवहार सामने आया है, वह न केवल दुखद है बल्कि इससे धार्मिक भावनाओं को भी गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म के धार्मिक गुरु के साथ इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं हो सकता।

शिया मार्कजी चांद कमिटी के अध्यक्ष ने कहा कि भारत विविध धर्मों और संस्कृतियों का देश है, जहां आपसी सम्मान और सौहार्द की परंपरा रही है।

ऐसे में धार्मिक नेताओं के साथ अपमानजनक रवैया सामाजिक एकता को कमजोर करता है और आपसी भाईचारे के खिलाफ जाता है। मौलाना सैफ अब्बास ने प्रशासन से अपेक्षा जताई कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा हो और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों में सभी धर्मगुरुओं के सम्मान और गरिमा की रक्षा करना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

उन्होंने अंत में अपील की कि समाज में शांति, सौहार्द और आपसी सम्मान बनाए रखने के लिए सभी पक्ष संयम और समझदारी से काम लें, ताकि किसी भी वर्ग या समुदाय की भावनाएं आहत न हों। गौरतलब है कि त्रिवेणी मार्ग उत्तरी पटरी पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का शिविर स्थित है।

पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने किया शुभारंभ, 'सेवा, सुशासन और समृद्धि' का दिया संदेश

प्रयागराज। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को प्रयागराज जनपद के मेजा तहसील स्थित पंडित कृपाशंकर तिवारी महाविद्यालय परिसर में केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन किया। प्रदर्शनी का आयोजन 'विकसित भारत दृ जी राम जी कानून', 'सेवा, सुशासन एवं समृद्धि' तथा गणतंत्र दिवस विषयों पर किया गया है।

यह आयोजन इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन एंड आउटरीच प्रोग्राम (आई.सी.ओ.पी.) के अंतर्गत 24 जनवरी से 28 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है, जिसमें प्रदर्शनी के साथ–साथ व्याख्यान, गोष्ठियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं।

'विकसित भारत दृ जी राम जी कानून' ग्रामीण रोजगार का नया आयाम रू अनुप्रिया पटेल

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि सरकार ने पूर्व में संचालित मनरेगा योजना में सामने आई कमियों एवं भ्रष्टाचार को दूर करने के उद्देश्य से 'विकसित भारत दृ जी राम जी कानून' को लागू किया है। उन्होंने बताया कि इस कानून के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिनों तक कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि यह कानून पारदर्शिता, जनभागीदारी और वास्तविक ग्रामीण विकास को सुनिश्चित करता है तथा स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराकर ग्रामीण जनता को सशक्त बनाता है। उन्होंने

लोगों से अपील की कि इस कानून की सही जानकारी जन–जन तक पहुंचाई जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

सेवा, सुशासन और समृद्धि के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है केंद्र सरकार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार बीते साढ़े ग्यारह वर्षों से सेवा, सुशासन और समृद्धि के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है और वर्ष 2030 तक देश की अर्थव्यवस्था 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि सड़क, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों और ग्रामीण सड़कों के विकास सहित आधारभूत संरचना के सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल, गरीबों को मिल रहा निशुल्क इलाज

श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि वर्तमान सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड के माध्यम से गरीबों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों के माध्यम से आम जनता को सस्ती दरों पर दवाइयां मिल रही हैं।

प्रदर्शनी से जनकल्याणकारी योजनाओं की मिलेगी जानकारी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से आम जनता को केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त होंगी। उन्होंने स्थानीय लोगों, छात्रों और युवाओं से बड़ी संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील की।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, छात्र–छात्राएं तथा इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी 28 जनवरी 2026 तक आम जनता के लिए निरंतर खुली रहेगी।

नगर निगम और पंचायत कार्यालय आदर्श के प्रतीक बनें- सुनील कुमार

74 वें संविधान संशोधन की व्यापक स्तर पर जागरूकता की आवश्यकता है: वर्षा विद्या विलास

प्रयागराज, तीसरी सरकार अभियान और नगर स्वराज फोरम के संयुक्त तत्वावधान में स्वशासन एवं विकासरू चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर नगर स्वराज विकास कार्यशाला का आयोजन सभागार राज्य शिक्षा संस्थान प्रयागराज में किया गया।

कार्यशाला के प्रथम एवं उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता श्री सुनील कुमार पूर्व सचिव पंचायती राज भारत सरकार, ने कहा कि जन प्रतिनिधि को वित्तीय लेन देन से अलग रहकर क्षेत्र की उपयोगी योजनाओं की तैयारी करनी चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री जनक पाण्डेय पूर्व कुलपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिहार, ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज नगर निगम अथवा पंचायत कार्यालय को पारदर्शी बनाने की आवश्यकता है क्योंकि यही समझ नहीं आता कि काम कराने के लिए पैसे किसे देने है और देने के बाद भी काम होगा या नहीं यह वेदना मेरी ही नहीं है यह आम नागरिक की वेदना है, नगर स्वराज विकास कार्यशाला में यह भी चर्चा करने की आवश्यकता है कि समाज के हर व्यक्ति के दिमाग से ये भय और वेदना कब और कैसे समाप्त होगी।

विशिष्ट वक्ता बसवराज पाटिल भारत स्वाभिमान आंदोलन ने अपने विचार व्यक्त किए तथा तीसरी सरकार अभियान के संस्थापक डा0 चंद्रशेखर प्राण ने सभी अतिथियों

का स्वागत एवं विषय परिवर्तन करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य और तीसरी सरकार अभियान के विषय में जानकारी दी उन्होंने बताया कि तीसरी सरकार अभियान के अंतर्गत 73 वें संविधान संशोधन पर बहुत जागरूकता की गई है और 74 वें संविधान संशोधन पर भी काफी जागरूकता की गई है अब नगर स्वराज्य फोरम के साथ इसका व्यापक स्तर पर कार्य किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वार्ड के स्थानीय निवासियों की आकांक्षाओं के प्रति नगर निगम की क्रियाशीलता सुनिश्चित करना, सफाई व विकास में नागरिकों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करना, स्थानीय कार्य हेतु आबंटित निधियों का निष्पादन सुनिश्चित करना कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करना एवं सुझाव देना समस्त मदों का पूर्ण ब्योरा प्राप्त करना आदि विषयों पर जानकारी दी गई।

इसके बाद सुश्री वर्षा विद्या विलास संयोजक नगर स्वराज फोरम ने अपने उद्बोधन में 74 वें संविधान संशोधन पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि आज भी आम नागरिक संशोधन के प्रावधानों से परिचित नहीं हुआ है इसके लिए जन सामान्य को और स्वयं सेवी संगठनों के व्दारा नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी, बैनर होर्डिंग, प्रशिक्षण, नुक्कड़ सभा का आयोजन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 74 वां संविधान संशोधन नगरपालिकाओं से सम्बंधित है इसका संशोधन 1993 में लागू हुआ था, इसमें नगरपालिकाओं को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया था जिसमें नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत प्रमुख रूप से इनका कार्यकाल 5 वर्ष के लिए निश्चित किया गया है इस संशोधन के व्दारा महिलाओं और अनुसूचित जाति जनजाति को आरक्षण का प्रावधान किया गया है, नगरपालिकाओं के चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग को दायित्व सोंपा गया है राज्य वित्त आयोग इनकी वित्तीय समीक्षा करता है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रयागराज के महापौर श्री गणेश केसरवानी अध्यक्ष श्री सुनील कुमार पूर्व सचिव पंचायती राज विभाग भारत सरकार डा0 चंद्रशेखर प्राण संस्थापक तीसरी सरकार अभियान, श्री पंकज तिवारी राज्य परियोजना प्रबंधक मिशन समृद्धि, डा0 वत्सला शुक्ला डा0 प्रभा तिरमरे, वी सत्यनारायण ने अपने विचार व्यक्त किए तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन श्री अनिल तिवारी तीसरी सरकार के व्दारा किया गया।

कार्यशाला में मुकन्द वल्लभ शर्मा मेरठ, प्रमोद चौधरी मुजफ्फरनगर, विनोद कुमार, सूर्य प्रकाश श्रीवास्तव, रेनू सिंह आयुषी सहित कई राज्यों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग करते हुए योगदान किया।

बारिश होती एक सी

(छप्पय)

बारिश होती एक–सी, अलग–अलग हैं देश।
टप टप करती सब जगह, कभी न करती क्लेश।
कभी न करती क्लेश, प्यास वह सबका हरती।
नदी पोखरा ताल, सभी में जीवन भरती।
सबसे करें प्रदीप,मात्र बस यही गुज़ारिश।
जीवन का हर रंग, दिखाती है यह बारिश।।

किस्मत की ही बात है,आफत आयी गाढ़।
दिखते हैं कोई नहीं, उतर गई जब बाढ़।
उतर गई जब बाढ़, दिखा तब घर का मंजर।
सड़ा हुआ आनाज, दिवारें जर्जर जर्जर।
सुन लो कहें प्रदीप,जिन्हें था सबसे निस्बत।
उनको मिला प्रकाश, न रूठी उनकी किस्मत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

ललित शर्मा को मिला सर्वश्रेष्ठ रचना का पुरस्कार

डिब्रूगढ़। राष्ट्रीय हिंदी रक्षक मंच ने विश्व हिंदी दिवस पर राष्ट्रीय स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसके विजेताओ की घोषणा मंच ने कर प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। देशभर के विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में कुल 26 प्रतिभागी ने जुड़े, इसमें असम राज्य के डिब्रूगढ़ निवासी वरिष्ठ पत्रकार, लेखक ललित शर्मा की सर्वश्रेष्ठ रचना घोषित की गई एवं ऑनलाइन के जरिये मंच ने प्रमाण पत्र प्रेषित किया। ज्ञात हो कि विगत वर्ष भी रक्षक मंच द्वारा श्रेष्ठ कविता लेखन हेतु सम्मानित किया गया।

विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

प्रयागराजससंस्कार भारती प्रयागराज के मंच श्अवलोकन तीरथराजु चलो रेश रविवार को काशी–प्रांत के अध्यक्ष डा. गणेश अवस्थी,उपाध्यक्ष पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव एवं लोककला टोली सदस्य चन्द्रमणि ने दीप–प्रज्ज्वलित कर संध्या का शुभारंभ किया।कार्यक्रम का आरंभ सेमस्टार ग्लोबल स्कूली नैनी ने संतोष पाण्डेय की दलनायिकी में दादरा,पूर्वी,विकास एवं देशगीत की आकर्षक प्रस्तुति से हुआ।तदनंतर पंकज कुमार ने अपने भजन से समां बांध दिया तत्पश्चात राकेश यादव ने अपनी भजन गायिकी से दर्शकदीर्घा को भक्तिमय कर दिया। डा. समीक्षा शर्मा द्वारा निर्देशित कथक पर आधारित नृत्यनाटिका राघवन की आकर्षक प्रस्तुति से दर्शकों की तालियां बटोरीं। डा. रंजना उपाध्याय के दल द्वारा भगवान राम को समर्पित नृत्यनाटिका प्रस्तुत की। डा. योगेन्द्र कुमार मिश्र षविश्वबन्धु ने सफल मंच संचालन किया।काशी–प्रांत के उपाध्यक्ष सतीश जिन्दल ने कलाकारों का अंगवस्त्र एवं प्रमाणपत्र से स्वागत किया।

इससे पूर्व काशी–प्रांत के एक बैठक अध्यक्ष गणेश अवस्थी की अध्यक्षता एवं संगठन मंत्री दीपक शर्मा के मार्गदर्शन में हुई जिसमें प्रयागराज के डा. योगेन्द्र कुमार मिश्र षविश्वबन्धुष को काशी–प्रांत साहित्य टोली के सदस्य मनोनीत किये गये।इसी क्रम में काशी–प्रांत महिलाशक्ति संयोजिका प्रेमलता मिश्रा के संयोजकत्व में मातृशक्ति कार्यशाला हुई जिसमें 30 से अधिक सदस्यों ने सहभागिता निभाई।रेखा तिवारी, डा. इन्दु शर्मा, प्रियंका चौहान, डा. आभा त्रिपाठी,राजनजी,सुशील राय,विशाल यादव एवं महामंत्री विभव शंकर उपस्थित रहे।

9वें दिन भाकियू अन्नदाता के किसानों ने धरना किया समाप्त

– किसानों की समस्याओं के समाधान का उपजिलाधिकारी ने दिया आश्वासन

मथुरा। महावन तहसील के गांव किशनपुर में यमुना एक्सप्रेसवे के पुल के नीचे विभिन्न किसान समस्याओं के समाधान की मांगों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान के नेतृत्व में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन कर रहे भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के किसानों ने 9 वें दिन शनिवार को महावन उपजिलाधिकारी कंचन गुप्ता के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान एवं अन्य पदाधिकारियों ने किसानों

की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उपजिलाधिकारी कंचन गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। उपजिलाधिकारी ने क्षेत्र के किसानों की समस्याओं का ज्ञापन लेते हुए भारतीय किसान यूनियन अन्नदाता के पदाधिकारियों को आश्वत किया कि जल्द ही उनकी सभी जायज समस्याओं का निपटारा किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने बताया कि जनपद के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील महावन के गांव किशनपुर में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया जा रहा था लेकिन प्रशासन इस धरने की लगातार अनदेखी कर रहा था और कोई तवज्जो नहीं दे रहा था। लेकिन यह किसानों का धरना प्रदर्शन रोजाना आन्दोलन का रूप लेता जा रहा था क्षेत्र का किसान एकजुट होकर भ्रष्टाचार और समस्याओं के खिलाफ खड़ा हो गया जिसे देख प्रशासन हाथ पांव फूलने लगे और हड़कंप मच गया। आखिर प्रशासन द्वारा उनकी समस्या सम्बन्धी मांगों को मान लिया गया है और उनके समाधान के लिए आश्वत कर दिया गया है। भाकियू पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर किसान समस्याओं का निपटारा समय से नहीं किया गया तो किसान आंदोलन करेंगे।

सम्पादकीय.....

अर्थव्यवस्था व सेहत पर घातक असर

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है। निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति–नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब–जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन–प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक–प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं। सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का भी है जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद यह एक हकीकत है कि हमारे देश में प्रदूषण संकट बड़ा है, जिसे देश के नीति–नियंता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते करोड़ों भारतीयों को अपनी जमा–पूंजी अपने व परिवार के उपचार में खर्च करनी पड़ती है। निस्संदेह, प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कानूनों को सरल बनाने की भी जरूरत है ताकि उन पर अमल आसानी से हो सके। इसके अलावा लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि देश की आबोहवा सुधारने के लिये उन्हें भी कुछ त्याग करने होंगे। उन्हें अपनी विलसिता की जीवन शैली में बदलाव लाकर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुधारना होगा। निश्चित रूप से प्रदूषण को आर्थिक चुनौती के रूप में भी देखने की जरूरत है। खासकर जब भारत खुद को वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासरत है। हमारा मकसद हो कि हमारे शहर स्वच्छ रहें और नागरिकों के लिये जीवन परिस्थितियां स्वास्थ्य के अनुकूल हों।

एक 'इस्लामिक-नाटो' के हमारे लिए क्या मायने होंगे?

मनोज जोशी

इन दिनों 'इस्लामिक–नाटो' की बहुत चर्चा हो रही है। लेकिन मध्य–पूर्व में एक इस्लामी गठबंधन का विचार नया नहीं है। 1955 में भी सोवियत संघ का मुकाबला करने के लिए ब्रिटेन–अमेरिका के नेतृत्व में बगदाद पैक्ट बनाया गया था। इसमें इराक, तुर्किये, पाकिस्तान, ईरान शामिल थे। यह उसी वर्ष सेंट्रल ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (सेंटो) में तब्दील हो गया। लेकिन 1979 में यह व्यवस्था बिखर गई। 2015 में भी आईएसआईएस के खिलाफ युद्ध को आगे बढ़ाने के मकसद से सऊदी अरब ने इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन के गठन की घोषणा की थी। 2017 में पाकिस्तान के पूर्व फौज प्रमुख राहील शरीफ को इसका पहला सैन्य कमांडर भी नियुक्त किया गया था। अब पाकिस्तान– सऊदी रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता सामने आया है, जिसमें नाटो की तरह यह प्रावधान है कि अगर गठजोड़ के किसी एक मुल्क पर हमला होता है तो इसे पूरे संगठन पर हमला मानकर उसका जवाब दिया जाएगा। तुर्किये भी इस समूह में शामिल होने पर विचार कर रहा है। भले ही ऐसा 'इस्लामिक–नाटो' जैसा कोई औपचारिक संगठन इस समय अस्तित्व में न हो, लेकिन इसकी संभावना मात्र के ही गंभीर भू–राजनीतिक निहितार्थ हैं।सऊदी–पाक समझौता उन घटनाओं की पृष्ठभूमि में सामने आया है, जिनमें अमेरिका–इजराइल का ईरान से युद्ध, इजराइल द्वारा कतर पर बमबारी, यमन को लेकर सऊदी–यूएई तनाव और भारत का ऑपरेशन सिंदूर शामिल हैं। इन सबके बाद सऊदी को यह महसूस हुआ कि मध्य–पूर्व में इजराइल के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर उसे एक भरोसेमंद गठजोड़ की आवश्यकता है।जहां तक पाकिस्तान का सवाल है तो सऊदी अरब उसकी चरमराती अर्थव्यवस्था को आर्थिक जीवनरेखा प्रदान कर सकता है। याद रखें कि 1967 में हुए सुरक्षा समझौते के बाद– और फिर 1979 में काबा में उग्रवादियों की घुसपैठ और ईरानी क्रांति के मद्देनजर– पाकिस्तानी सेना ने सऊदी अरब को सुरक्षा उपलब्धा कराई थी। इस समूह के लिए पाकिस्तान का परमाणु हथियार सम्पन्न होना भी बड़ा प्रोत्साहन है। इस्लामाबाद भी लंबे समय से कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन की तलाश करता रहा है और ऐतिहासिक रूप से इस विवाद को इस्लामी संदर्भ में प्रस्तुत करने की कोशिश करता रहा है। एक शक्तिशाली इस्लामी सुरक्षा ब्लॉक की सदस्यता पाकिस्तान के कूटनीतिक दबदबे को बढ़ा सकती है, भले ही अन्य सदस्य देश कश्मीर मुद्दे का सैन्यीकरण करने के प्रति अनिच्छुक हों। इस व्यवस्था में तुर्किये की दिलचस्पी मध्य–पूर्व के घटनाक्रमों से जुड़ी है, जो कभी उस्मानी साम्राज्य का हिस्सा रहा है। नाटो का सदस्य होने के बावजूद तुर्किये अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। वास्तव में, अपनी मजबूत सैन्य क्षमता के कारण वह स्वयं को इस्लामी दुनिया के लीडर के रूप में देखता है। फिर उसके पास एक सशक्त रक्षा उद्योग और युद्धक्षेत्र का पर्याप्त अनुभव भी है। ऐसे में यह नई दिल्ली के लिए रणनीतिक चिंता का विषय हो सकता है। वैचारिक आधार पर गठित ऐसा सैन्य ब्लॉक– जो पश्चिम एशिया, अफ्रीका के कुछ हिस्सों और दक्षिण एशिया तक फैला हो– क्षेत्रीय संतुलन को ऐसे ढंग से फिर से परिभाषित करेगा, जिसे भारत नजरअंदाज नहीं कर सकता। लेकिन मध्य–पूर्व में चल रहे इन घटनाक्रमों का एक तात्कालिक परिणाम यूएई और भारत के बीच महत्वपूर्ण तालमेल के रूप में सामने आया है। हाल ही में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने भारत की आधिकारिक यात्रा की थी। मध्य–पूर्व में बढ़े तनाव के बीच हुई इस यात्रा ने काफी ध्यान खींचा। अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत–यूएई समग्र रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर बातचीत की। लेकिन इसका सबसे महत्वपूर्ण परिणाम रणनीतिक रक्षा साझेदारी के लिए एक समझौता करने के इरादे की घोषणा थी। देखें तो यह सऊदी–नेतृत्व वाले तथाकथित 'इस्लामिक–नाटो' पर यूएई की प्रतिक्रिया जैसा लगता है। भारत की विदेश नीति पारम्परिक रूप से बहुध्रुवीय दुनिया में फलती–फूलती रही है। उसने मुस्लिम–बहुल देशों के साथ अपने सम्बंध व्यावहारिक कूटनीति के जरिये प्रबंधित किए हैं। एक 'इस्लामिक–नाटो' इस व्यावहारिकता की जगह पहचान–आधारित गठजोड़ ला सकता है। यह भारत के कूटनीतिक लचीलेपन को कम करेगा, खासकर पश्चिम एशिया में, जहां नई दिल्ली ने सऊदी अरब, ईरान, इजराइल और खाड़ी देशों के साथ अपने सम्बंधों को बड़े संतुलन के साथ साधा है। भारत की आर्थिक जीवनरेखाएं उन्हीं क्षेत्रों से होकर गुजरती हैं, जो 'इस्लामिक–नाटो' की रीढ़ बन सकते हैं– फारस की खाड़ी, लाल सागर, हिंद महासागर। लेकिन मुस्लिम–बहुल देशों के रणनीतिक हितों में गहरे मतभेद भी हैं।

युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने से आगे का सोचना होगा

कंवल रेखी

मेरे पिता आर्मी में थे। द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने शिरकत की थी। आज के पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित गांव सुखो से बंटवारे के बाद 'दारजी' यानी मेरे पिता अलग–अलग पोस्टिंग्स से होते हुए कानपुर पहुंचे, जहां मेरा बचपन बीता। आर्मी से होने के कारण 'दारजी' की नजर में सफलता के पैमाने मिलिट्री के ही थे। लेकिन मैं शारीरिक तौर पर कमजोर था, कंधे झुके थे, शर्मीला और एक स्पीच–डिफेक्ट से जूझने वाला बच्चा था। मैं उनकी नजरों में एक निराशा ही था। बचपन में उनके रिजेक्शन ने मुझे झकझोर दिया था, लेकिन फिर मैंने इस बात का पॉजिटिव पहलू देखा और मानने लगा कि उनकी नजरअंदाजी मेरे लिए अच्छी है। मुझ पर अपने दोनों भाइयों की तरह आर्मी जॉइन करने का दबाव नहीं था। उनकी उपेक्षा ने मुझे अपना रास्ता चुनने की आजादी दी। मां को जरूर मुझ पर और गणित के प्रति मेरे रुझान पर भरोसा था। जब पिता पोस्टिंग पर होते तो घर के बजट का जिम्मा वो मुझे सौंप देतीं। 13 साल की उम्र में मैंने हिंदी मीडियम स्कूल से पढ़ाई की और गणित और विज्ञान में माहिर हो गया। मेरी जिज्ञासाओं ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया। अच्छी बात यह थी कि उस समय देश में नॉलेज–इकोनॉमी कदम रख रही थी। घर के पास एक वेलफेयर लाइब्रेरी थी, जहां मुझे इतिहास की किताबों से लेकर अमेरिकी पत्रिकाएं पढ़ने की जगह मिली। लाइफ मैगजीन के नए अंक पढ़ता तो एक नई दुनिया में पहुंच जाता, जो मेरे हालात से बिलकुल विपरीत थी– लग्जरी कारें, हवाई जहाज, आलीशान घरों और जुनूनी एस्ट्रॉनॉट्स के कारनामे। ये तस्वीरें आने वाले कल की उम्मीद की नई खिड़कियां थीं, जहां मुझे मेरा सपना दिख रहा था। स्कूलिंग के बाद मेरा सिलेक्शन आईआईटी बॉम्बे में हो गया। लेकिन पिता को लगा मैं एक और बेवकूफी कर रहा हूं। तब उनके कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें बताया कि आईआईटी में सिलेक्शन कितनी बड़ी बात है। उस दिन पहली बार घर लौटकर उन्होंने मुझे शाबाशी दी। मेरा यकीन पक्का हो गया कि तमाम नकारात्मक चुनौतियों, लगातार रिजेक्शन से सामना और ऐसे कई अंधेरों में छिपा एक जादुई, चमकीला सपना जरूर होता है, जिसे आपको खुद खोजना पड़ता है। आईआईटी में मैंने जो सीखा, वो आज तक कायम है– सवाल पूछो, बेसिक्स मजबूत करो और समाधान निकालो। फंडामेंटल्स यानी बेसिक्स पर बार–बार सवाल पूछते रहने की वजह से मेरा निक–नेम फंडा सिंह पड़ गया था। भारतीय मध्यमवर्ग की सोच बहुत साफ है। घर–घर में यही आवाज गूंजती है– डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो। लेकिन कभी कोई माता–पिता यह नहीं कहते– बेटा, उद्यमी बनो। इसके बाद सलाह मिलती है– अच्छी नौकरी पकड़ो, शादी करो, जिम्मेदार बनो। यानी एक लकीर पर चलते रहने को अनुशासन मान लिया जाता है। अनुशासन का मतलब है वही करना जो समाज आपसे उम्मीद करता है। मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी और परिवार द्वारा चुनी गई लड़की से शादी को समझदारी माना जाता है। यही सलाह आपको अपने दिल की आवाज सुनने से रोकती है। उद्यमी बनना इन सब अपेक्षाओं के खिलाफ जाना है। यह रास्ता कठिन है, अकेला है और इसमें किसी से सहानुभूति की उम्मीद मत रखिए। लोग आपको पागल कहेंगे, हंसेंगे। आन्त्रप्रेन्योर को खुद को साबित करना होता है। यह आग भीतर से जलनी चाहिए। बाहर से कोई आपको प्रेरित नहीं करेगा कि आप कठिनाइयों से गुजरें। अगर आप उद्यमी बनना चाहते हैं, तो यह समाज की तय की हुई राह से अलग है। यह कठिन है, लेकिन असली संतोष वहीं पर मिलेगा, जब आप अपनी आवाज सुनेंगे। अनुशासन का मतलब सिर्फ दूसरों की उम्मीदें पूरी करना नहीं, बल्कि अपने सपनों को जीना भी है। आइडिया ऐसा होना चाहिए कि हर शख्स सोचे– यह मेरे दिमाग में क्यों नहीं आया। जिंदगी ने एक बात सिखाई है कि जो कोई नहीं कर रहा, वो मुझे करना है और अपनी शर्तों पर अपने तरीके से करना है। आज हिंदुस्तान में जिस तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मविश्वास का विकास हो रहा है, युवाओं के लिए यहीं पर भरपूर मौके हैं। मेरा मानना है कि आने वाले समय में देश में रिवर्स ब्रेन–ड्रेन का ट्रेंड लगातार बढ़ेगा। आपके पास कोई ऐसा आइडिया होना चाहिए कि हर शख्स सोचे– यह मेरे दिमाग में क्यों नहीं आया। जिंदगी ने मुझे एक बात सिखाई है कि जो कोई नहीं कर रहा, वो मुझे करना है और अपनी शर्तों पर, अपने ढंग से करना है।

ऐसा पछतावा ना हो कि 'एक बार पूछ लेता तो अच्छा होता'

एन. रघुरामन

कैंसर पीड़ित एक युवक ने घर और अस्पताल में कई महीने गुजारने के बाद एक दिन बाहर निकलने का फैसला किया। वह एक म्यूजिक स्टोर पर सीडी खरीदने रुका और वहां मौजूद सेल्स गर्ल उसे अच्छी लग गई। जैसे ही वह अंदर गया, उसे पहली ही नजर में प्यार हो गया। वह काउंटर तक गया तो सेल्स गर्ल ने मुस्कराकर पूछा– 'क्या मैं आपकी कोई मदद कर सकती हूं?' लंबे समय से गंभीर–से चेहरे देख रहे उस युवा के लिए यह अब तक की सबसे खूबसूरत मुस्कान थी। वह बोला– 'उम्म३ मैं एक सीडी लेना चाहता हूं।' उसे जो पहली सीडी दिखी, उठा ली और पैसे दे दिए। लड़की मुस्कराते हुए बोली, 'क्या मैं इसे गिफ्ट रैप कर दूं?' लड़के ने हां बोला और वो उसे रैप करने पीछे के रूम में चली गई। लड़का रैप्ड सीडी लेकर घर चला गया। तब से अगले कुछ दिन तक वह नियमित उसी म्यूजिक स्टोर पर जाता और हर दिन एक सीडी खरीदता। रोजाना लड़की उन्हें गिफ्ट रैप करती रही और लड़का वो सीडी बिना खोले ही अपनी अलमारी में रखता रहा। लड़का बेहद शर्मीला था। उसने लाख कोशिश की, लेकिन लड़की से आउटिंग पर चलने के लिए पूछने की हिम्मत जुटा ही नहीं पाया। एक दिन उसके दोस्त ने उसे हौसला दिया। अगले दिन वह पक्का मन बनाकर स्टोर पहुंचा। हमेशा की तरह एक सीडी खरीदी और जब लड़की किसी दूसरे ग्राहक को अटैंड कर रही थी तो अपना फोन नंबर वहां छोड़कर चला गया।अगले दो दिन वह स्टोर नहीं गया तो लड़की ने उसे फोन किया। मां ने फोन उठाया और सोचने लगीं कि ये कौन हो सकता है। ये वही म्यूजिक स्टोर वाली लड़की थी। उसने बेटे से बात कराने को कहा तो मां रो पड़ीं। लड़की ने पूछा, क्या हुआ? मां बोलीं, 'तुम्हें नहीं पता? वह तो कल ही गुजर गया।' फोन पर लंबी खामोशी छा गई। उसी दोपहर मां ने उसकी अलमारी खोली और देखकर हैरान रह गईं कि वहां गिफ्ट–पेपर में लिपटीं बहुत सारी सीडी रखी थीं। चूंकि वहां बहुत–सी सीडी थीं, तो मां को उत्सुकता हुई और उन्होंने हाल ही में लाई गई एक सीडी खोल ली। पैकेट फाड़ते ही उन्हें एक पर्ची दिखी, जिस पर लिखा था– 'हाय, तुम बहुत क्यूट हो। मैं तुमसे मिलना चाहूंगी। कभी बाहर चलें? –सोफी।' यह देख कर मां फफक पड़ीं। गुरुवार की रात एक बड़ी गलती करने के बाद मुझे यह कहानी याद आई। मैं मुंबई जाने वाली ट्रेन की जगह पुणे जा रही ट्रेन में चढ़ गया था। दोनों ट्रेनें अमरावती से ही चलती हैं। गलत ट्रेन में चढ़ने के बाद कुछ सोच पाता, उससे पहले ही मैंने देखा कि दो और लोग भी यही गलती कर बैठे थे। अब वो कभी रेलवे अनाउंसमेंट सिस्टम को कोस रहे थे, तो कभी चेन खींचने की धमकी दे रहे थे। जब वे टीसी से झगड़ रहे थे तो मुम्बई जाने वाली ट्रेन दूसरे ट्रैक पर हमें ओवरटेक कर गई, क्योंकि वो पुणे की ट्रेन से ज्यादा फास्ट थी। मैंने हेड टीसी के बारे में पता करने के लिए बेडरोल सुपरवाइजर से मदद लेने का निर्णय किया और गलती के लिए उनसे माफी मांगी। हेड टीसी के लिए मैं उन यात्रियों से बेहतर था, जो कड़वाहट भरी तेज आवाज में शिकायत कर रहे थे। उन्होंने तत्काल पीछे आ रही ट्रेन के हेड से संपर्क किया और मदद का इंतजाम कर दिया। हम सब मनमाड स्टेशन पर उतर गए, लेकिन सीट मुझ अकेले को ही मिल पाई। वे दोनों फिर शिकायत करने लगे कि मुझे सीट क्यों मिली और उन्हें क्यों नहीं।

वंदेमातरम् को गणतंत्र का सम्मान

वंदेमातरम् में देश प्रेम का कितना जोश भरा है, यह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम लोगों में जो पीढ़ी आजादी के बाद पैदा हुई है, उसने सिर्फ तस्वीरों में ही देखा है कि वंदेमातरम् कहकर कितने लोग ब्रिटिश हुकूमत की सभी यातनाओं और जुल्मों को सहन कर जाते थे। बंकिम चन्द्र की इस कालजयी रचना को 150 वर्ष पूरे हो गये तो हमारी सरकार ने उसे सम्मान देने के लिए इस बार 77वें गणतंत्र दिवस की थीम बना दिया है। गणतंत्र दिवस परेड में स्वतंत्रता का मंत्र–वंदेमातरम् और समृद्धि का मंत्र विकसित भारत होगा। कर्त्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में वंदेमातरम् का जिस तरह संगीतमय और चित्रमय प्रस्तुतिकरण होगा, उसकी गूंज पूरे विश्व में सुनाई देगी।

भारत के विभिन्न नृत्य रूपों का प्रतिनिधित्व करते हुए लगभग 2,500 कलाकारों का एक विशाल समूह 77वीं गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर प्रदर्शन करने के लिए तैयार है, जिसका मुख्य विषय 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ है। प्रदर्शन का व्यापक विषय 'स्वतंत्रता का मंत्र–वंदे मातरम' और 'समृद्धि का मंत्र–विकसित भारत' होगा। इस पर काम करने वाली रचनात्मक टीम के सदस्यों में संगीत निर्देशक के रूप में एम. एम. कीरावनी, गीतकार के रूप में सुभाष सहगल, प्रस्तोता के रूप में अनुपम खेर और कोरियोग्राफर के रूप में संतोष नायर शामिल हैं। संपूर्ण पर्यवेक्षण और निर्देशन संध्या पुरेचा के अधीन है। रचनात्मक डिजाइन और परिधान की जिम्मेदारी संध्या रमन संभालेंगी। कीरावनी को विशेष पहचान तब मिली जब ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आरआरआर' में उनकी रचना 'नाटु नाटु' गीत ने 2023 में सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत श्रेणी में ऑस्कर पुरस्कार जीता। रक्षा मंत्रालय ने गत दिनों गणतंत्र दिवस समारोह पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की थी कि कीरावनी उस सांस्कृतिक प्रदर्शन की रचनात्मक टीम का हिस्सा हैं, जिसका आयोजन 26 जनवरी को औपचारिक रूप से कर्तव्य पथ पर किया जाएगा। संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि लगभग 2,500 कलाकार भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी और मणिपुरी जैसे देश के विभिन्न नृत्य रूपों का प्रतिनिधित्व करेंगे। कीरावनी ने टीम का हिस्सा बनने को लेकर अपनी खुशी साझा की। उन्होंने पोस्ट किया, 'प्रिय देशवासियो, वंदे मातरम! प्रतिष्ठित गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित 26 जनवरी की गणतंत्र दिवस परेड के लिए संगीत तैयार करने का अवसर पाकर मैं अत्यंत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इस भव्य प्रस्तुति में भारत भर के 2,500 कलाकार भाग लेंगे। हमारे राष्ट्रवाद की भावना का जश्न मनाने के लिए हमारे साथ जुड़ें।'

विषयवस्तु के अनुरूप, कर्तव्य पथ के किनारे बने आवरणों में राष्ट्र गीत के आरंभिक छंदों को दर्शाने वाले पुराने चित्र प्रदर्शित किए जाएंगे और इसके रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्य मंच पर पुष्पों से बनी कलाकृतियां होंगी। पारंपरिक प्रथा से हटकर इस बार परेड स्थल पर पहले इस्तेमाल किए जाने वाले 'वीवीआईपी' (अति विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति) और अन्य नामों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इसके बजाय सभी स्थानों का नाम भारतीय नदियों के नाम पर रखा गया है। अधिकारियों ने कहा कि इन नामों में ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल, चिनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु, झेलम, कावेरी, कोसी, कृष्णा, महानदी, नर्मदा, पेन्नार, पेरियार, रावी, सोन, सतलुज, तीस्ता, वैगई और यमुना शामिल हैं।

इसी तरह, 29 जनवरी को 'बीटिंग रिट्रीट' समारोह के लिए बैठने के स्थानों का नाम भारतीय वाद्ययंत्रों – बांसुरी, डमरू, एकतारा, एसराज, मृदंगम, नगाड़ा, पखावज, संतूर, सारंगी, सरिंदा, सरोद, शहनाई, सितार, सुरबहार, तबला और वीणा के नाम पर रखा जाएगा।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा परेड में मुख्य अतिथि होंगे।

गणतंत्र दिवस पर विशेष

नागरिकों से संविधान की अपेक्षाएँ

अंजलि श्रीवास्तव

छब्बीस जनवरी को मनाया जाने वाला गणतंत्र दिवस केवल एक औपचारिक पर्व नहीं है, बल्कि यह उस दिन की स्मृति है जब भारत ने स्वयं को एक संवैधानिक लोकतांत्रिक राष्ट्र घोषित किया। इस अवसर पर संविधान के विषय में चर्चा के साथ एक प्रश्न भी उठता है। वह यह कि आखिर संविधान हमसे क्या अपेक्षा रखता है?

भारतीय संविधान सिर्फ अधिकारों की सूची नहीं है। वह नागरिक और राज्य के बीच एक जिम्मेदारी से युक्त संबंध स्थापित करता है। राज्य नागरिकों को अधिकार देता है।

और नागरिकों से अपेक्षा करता है कि वे इन अधिकारों का उपयोग विवेक, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ करें। संविधान की अपेक्षाओं को निम्नलिखित बिंदुओं में निरूपित किया जा सकता है–

– संविधान हमसे सबसे पहले जागरूक और कर्त्तव्यनिष्ठ नागरिक होने की मांग करता है।

– मतदान हमारा अधिकार है, लेकिन यह अधिकार तभी लोकतंत्र को मजबूत करता है जब हम सोच समझ कर उसका प्रयोग करें। अफवाह, भय, जाति या तात्कालिक लाभ के आधार पर लिया निर्णय लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करता है।

– संविधान हमसे, समानता को व्यवहार में उतारने की अपेक्षा करता है। कानून में सभी नागरिक समान है। संविधान यह नहीं देखता हम क्या कहते हैं। वह यह देखता है कि हम कैसा व्यवहार करते हैं।

– संविधान हमसे असहमति की लोकतांत्रिक समझ भी मांगता है। विचारों का मतभेद लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी ताकत है। लेकिन जब असहमति घृणा अपमान या हिंसा में बदल जाती है तो लोकतंत्र को क्षति पहुंचती है।

– संविधान हमसे बंधुत्व और सामाजिक संवेदनशीलता की भी अपेक्षा करता है। संविधान हमसे राष्ट्रभक्ति की ऐसी समझ चाहता है जो केवल नारों और प्रतीकों तक सीमित ना हो।

इस तरह 26 जनवरी हमें याद दिलाती है कि संविधान तभी जीवंत और प्रभावी रहता है, जब नागरिक सजग रहते हैं।

देशभक्ति से भरपूर 'मातृभूमि' ने जीता दिल, बैटल ऑफ गलवान के गाने पर फैंस हुए इमोशनल

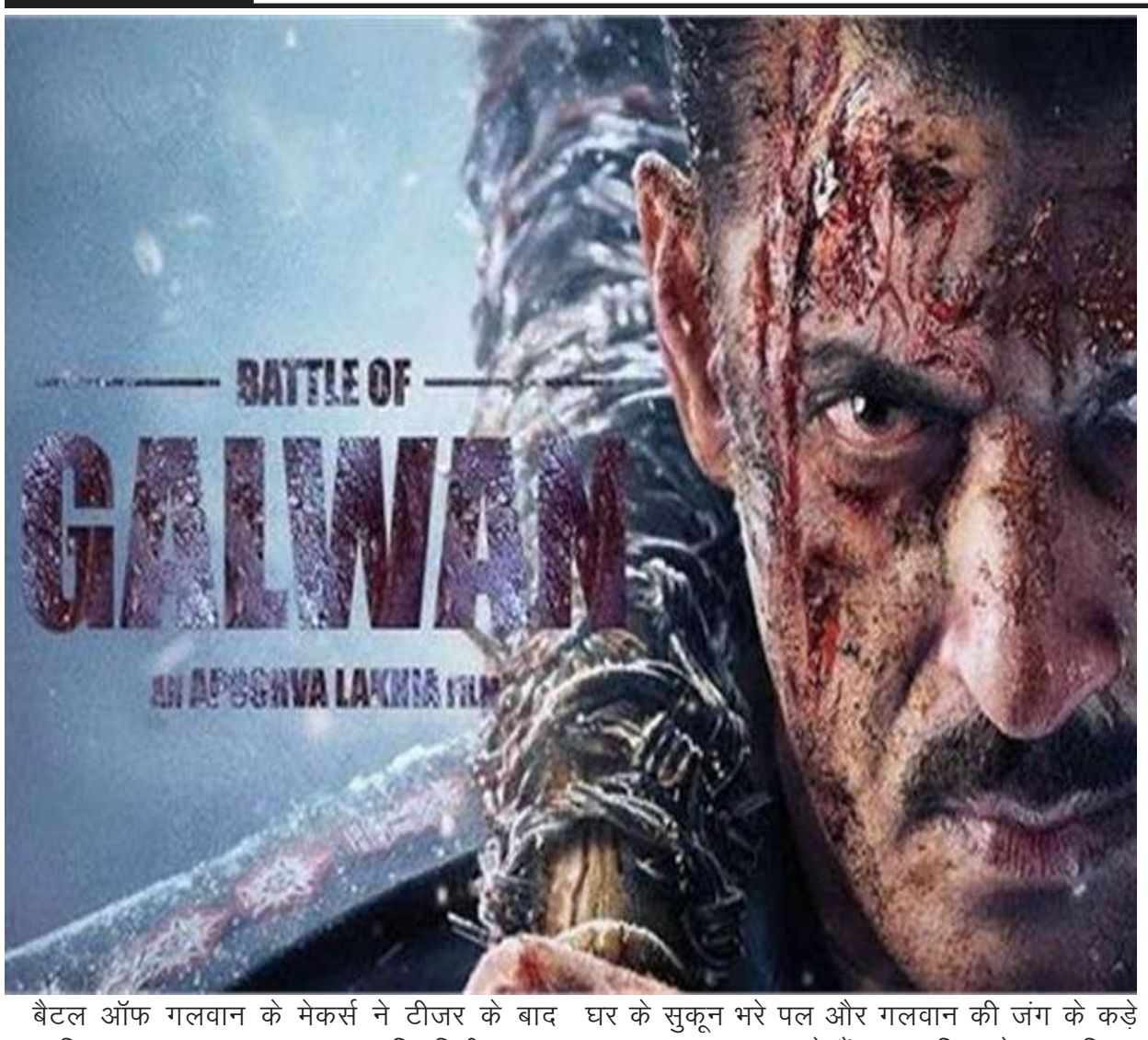

> हिमेश ने बताया कि बैटल ऑफ गलवान के लिए मातृभूमि बनाना उनके लिए काफी इमोशनल रहा। उन्होंने कहा कि गाने की फील सेना की बीट्स और उनकी एनर्जी से आई है।

बैटल ऑफ गलवान के मेकर्स ने टीजर के बाद अब फिल्म का पहला गाना मातृभूमि रिलीज कर दिया है। यह गाना फिल्म के म्यूजिकल सफर की पहली झलक देता है, जिसमें देशभक्ति और इमोशन दोनों साफ महसूस होते हैं। सादा लेकिन असरदार यह गाना फिल्म की कहानी का मूड सेट करता है और रिलीज से पहले दर्शकों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा देता है। इस गाने में सलमान खान एक भारतीय सेना अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं, जबकि उनके साथ चित्रांगदा सिंह दिखाई देती हैं और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री काफी नैचुरल और जुड़ाव भरी लगती है। दोनों को दो छोटे बच्चों के साथ एक परिवार के रूप में दिखाया गया है, जहां घर के सुकून भरे पल और गलवान की जंग के कड़े दृश्य साथ–साथ चलते हैं। मातृभूमि गाते हुए परिवार के ये सीन ड्यूटी और संघर्ष के पलों से जुड़ते हैं, जो प्यार, बलिदान और देशसेवा के भाव को और भी गहराई से सामने लाते हैं। मातृभूमि गाना बैटल ऑफ गलवान का इमोशनल और देशभक्ति से भरा एहसास है। इस गाने को हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है, जो एक बार फिर दिल को छू लेने वाली और असरदार धुन के साथ अपनी खास पहचान छोड़ते हैं। हिमेश ने बताया कि बैटल ऑफ गलवान के लिए मातृभूमि बनाना उनके लिए काफी इमोशनल रहा। उन्होंने कहा कि गाने की फील सेना की बीट्स और उनकी एनर्जी से आई है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल के साथ काम करना खास था, और सलमान खान के साथ फिर से जुड़ना, साथ ही सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक लेबल से गाने का रिलीज होना, इस पूरे सफर को और भी स्पेशल बना देता है।मातृभूमि के बोल समीर अंजन ने लिखे हैं, जबकि इसे अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है, जो इंडियन म्यूजिक की सबसे पसंदीदा आवाजों में से हैं। बैटल ऑफ गलवान को सलमा खान ने सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है, जबकि फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया हैं। इसका म्यूजिक सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक लेबल से रिलीज हुआ है और सोनी म्यूजिक इंडिया इसकी ऑफिशियल म्यूजिक डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर है। फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की कहानी दिखाने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

अक्षय नहीं यह एक्टर था एयरलिफ्ट की पहली पसंद, निर्माता से कहा– मेरे साथ फिल्म करोगे तो बजट भी नहीं आएगा

अक्षय कुमार की अदाकारी वाली फिल्म एयरलिफ्ट ने हाल ही में रिलीज के 10 साल पूरे कर लिए हैं। इसके निर्देशक ने फिल्म के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि इस फिल्म के लिए पहली पसंद अक्षय कुमार नहीं थे। फिल्म के लिए मेकर्स ने पहले इरफान खान से संपर्क किया था। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म के निर्देशक राजा कृष्ण मेनन ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया मैंने पहले जिस अभिनेता से संपर्क किया वह इरफान खान थे। उन्होंने आगे बताया कि इरफान ने उनसे कहा, श्राजा, यह एक बेहतरीन स्क्रिप्ट है, लेकिन तुम्हारा विजन हॉलीवुड जैसा है। अगर मेरे साथ काम करोगे तो इस फिल्म से तुम्हें पैसे नहीं मिलेंगे। राजा मेनन ने बताया कि फिल्म के निर्माता निखिल ने भी वही बात कही जो इरफान खान ने कही। राजा मेनन ने आगे बताया श्निखिल ने मुझसे कहा कि मुझे पता है कि आप इरफान के बारे में सोच रहे हैं लेकिन आप अक्षय से मिलिए। इसके बाद वह इस फिल्म के लिए अक्षय कुमार से मिले। 40 मिनट बात करने के बाद अक्षय कुमार ने फिल्म के लिए हां कहा। इससे पहले गलट्टा प्लस से बातचीत में निर्माता निखिल ने कहा था कि श्एयरलिफ्टश के लिए उन्होंने इरफान खान से बात की थी तो उन्होंने कहा था कि मेरे साथ यह फिल्म मत करो वर्ना बजट भी नहीं आएगा। आप अक्षय कुमार के पास जाइए। फिल्म एयरलिफ्ट में अक्षय कुमार के साथ निमरत कौर थीं। यह फिल्म अगस्त 1990 में कुवैत पर इराक के आक्रमण की घटना पर आधारित थी। अक्षय कुमार ने इसमें एक बिजनेसमैन की भूमिका निभाई थी। 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 221.67 करोड़ रुपये कमाए थे।

मेरी छवि खराब करने की 40 लाख की धोखाधड़ी के मामले में पलाश मुछाल ने तोड़ी चुप्पी

संगीतकार और फिल्म निर्माता पलाश मुछाल इस वक्त एक विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। उन पर 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं, जिसके बाद उनका नाम काफी हाइलाइट हो रहा है। वहीं, अब हाल ही में इन आरोपों से परेशान होकर पलाश मुच्छल ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। साथ ही उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है। धोखाधड़ी के आरोपों के बीच पलाश मुछाल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, 'सांगली निवासी विज्ञान माने द्वारा सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों के मद्देनजर, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरे खिलाफ ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। ये आरोप मेरी छवि को खराब करने के इरादे से लगाए हैं। इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। मेरे वकील श्रेयांश मिथारे, सभी कानूनी रास्ते तलाश रहे हैं और इस मामले को उचित कानूनी माध्यमों से ही निपटाया जाएगा। बता दें, महाराष्ट्र के सांगली जिले में विज्ञान माने ने पुलिस में हाल ही में पलाश मुच्छल पर उसने 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। पुलिस के पास की शिकायत में विद्यान माने ने बताया कि दोनों की पहली मुलाकात 5 दिसंबर 2023 को सांगली में हुई थी। जब विद्यान ने पलाश से फिल्ममेकिंग में निवेश को लेकर बातचीत की, तो पलाश ने उन्हें अपनी आने वाली फिल्म 'नजारिया' में पैसे लगाने का प्रस्ताव दिया। पलाश ने कथित तौर पर यह भरोसा दिलाया कि फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के बाद 25 लाख रुपये के निवेश पर करीब 12 लाख रुपये का मुनाफा होगा। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में एक किरदार देने का भी वादा किया। इसके बाद उनकी पलाश से दो बार और मुलाकात हुई और मार्च 2025 तक उन्होंने अलग–अलग किस्तों में कुल 40 लाख रुपये पलाश को सौंप दिए। हालांकि, तय समय बीतने के बावजूद न तो फिल्म पूरी हुई और न ही निवेश से जुड़ा कोई लाभ मिला। जब फिल्म का काम आगे नहीं बढ़ा, तो विद्यान माने ने अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन आरोप है कि पलाश की ओर से उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। आखिरकार, निराश होकर उन्होंने सांगली पुलिस का रुख किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मामले की प्रारंभिक जांच की जा रही है।

द राजा साब की आलोचना करने वालों की अब खैर नहीं! पुलिस के पास पहुंचे फिल्म के प्रोड्यूसर

साउथ के स्टार प्रभास की अदाकारी वाली फिल्म श्द राजा साबश 9 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। मारुति के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार ने भी अभिनय किया है। फिल्म को मिले–जुले रिव्यू मिले। इसने दुनिया भर में लगभग 200 करोड़ रुपये कमाए। कुछ लोगों ने फिल्म को लेकर नेगेटिव कमेंट किए। इसे लेकर एसकेएन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। प्रेस को दिए एक बयान में, प्रोड्यूसर एसकेएन ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत उन सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ की गई है जो श्फिल्म और उसके एक्टर्स को टारगेट करते हुए अपमानजनक और गुमराह करने वाली बातें कह रहे थे। ऐसे काम भ्रम पैदा करने और नकारात्मकता फैलाने के इरादे से किए जाते हैं। इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच हो रही है। एसकेएन ने द राजा साब में क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर काम किया।

ओशिवारा फायरिंग मामले में कमाल आर खान गिरफ्तार कोर्ट में होगी पेशी जांच जारी

एक्टर–प्रोड्यूसर और कथित फिल्म क्रिटिक कमाल आर खान अक्सर अपने विवादित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। बीते शुक्रवार उन्हें मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया। कमाल आर खान उर्फ केआरके को बीते 18 जनवरी को मुंबई के ओशिवारा के अंधेरी स्थित एक रिहायशी बिल्डिंग पर चार राउंड फायरिंग करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। पुलिस की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और आज शनिवार को उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मुंबई के ओशिवारा इलाके में फायरिंग की एक घटना के सिलसिले में पूछताछ के बाद एक्टर–प्रोड्यूसर कमाल आर खान को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। आगे की जांच जारी है। मुंबई पुलिस ने यह बात कही है। ओशिवारा फायरिंग मामले में केआरके ने पुलिस हिरासत में अपना जुर्म कबूल किया। मुंबई पुलिस की टीम ने केआरके से पूछताछ की। केआरके ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी लाइसेंसी बंदूक से फायरिंग की थी। उन्होंने यह सफाई भी दी है कि वे बंदूक की सफाई कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान चेक करने के लिए घर के सामने जंगल के इलाके में फायरिंग की थी। किसी को नुकसान पहुंचाना उनका मकसद नहीं था। पुलिस ने केआरके की बंदूक को भी जब्त कर लिया है। खबरों के मुताबिक, ओशिवारा के इलाके में स्थित बिल्डिंग में गोलीबारी की घटना 18 जनवरी को घटी थी। एक रिहायशी इमारत पर गोलियां चलाई गई थीं। पुलिस ने नालंदा सोसाइटी से दो गोलियां बरामद की थीं। एक दूसरी मंजिल से और दूसरी गोली इमारत की चौथी मंजिल से बरामद की थी। इनमें से एक घर एक लेखक–निर्देशक का है और दूसरा घर एक मॉडल का है। ओशिवारा इलाके में डायरेक्टर और मॉडल के घर फायरिंग से सनसनी फैल गई थी। हालांकि, इस गोलीबारी में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। केआरके के संदिग्ध हथियार को ओशिवारा पुलिस ने जब्त कर लिया है। इससे जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। ओशिवारा पुलिस के अनुसार, शुक्रवार देर शाम केआरके को ओशिवारा पुलिस स्टेशन लाया गया था, जहां उनसे पूछताछ की गई। मामले की जांच में ओशिवारा पुलिस स्टेशन की 18 सदस्यीय टीम के साथ क्राइम ब्रांच की कई टीमें भी जुटी हुई थीं। शुरुआती जांच में सीसीटीवी फुटेज से कोई ठोस सुराग नहीं मिला। इसके बाद फोरेंसिक टीम की मदद से पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि गोलियां संभवतः कमाल आर खान के बंगले की दिशा से चलाई गई हो सकती हैं। गोलीबारी को लेकर केआरके ने पुलिस पूछताछ में सफाई दी कि उनका इरादा किसी को चोट पहुंचाना नहीं था। उन्होंने कहा कि उनके घर के सामने एक बड़ा मैंग्रोव का जंगल है। बंदूक को साफ करने के बाद उन्होंने उसे चेक करने के लिए फायरिंग की थी। उन्हें लगा था कि मैंग्रोव की जंगल में गोली कहीं खो जाएगी, लेकिन जब उन्होंने फायरिंग की उस समय हवा चल रही थी, जिसकी वजह से गोली ओशिवारा की एक बिल्डिंग पर जाकर लगी। केआरके ने श्देशद्रोहीश फिल्म में काम किया है। बतौर प्रोड्यूसर भी वे काम कर चुके हैं। इन दिनों वे सोशल मीडिया पर अपने विवादित पोस्ट की वजह से सुर्खियों में रहते हैं। खासतौर से अपने पोस्ट में वे बॉलीवुड सितारों और फिल्मों को निशाना बनाते हैं।

सुनील शेट्टी ने क्यों ठुकराया 40 करोड़ रुपये का तंबाकू का विज्ञापन?

कई कलाकार तंबाकू और शराब के विज्ञापन से जुड़े हैं और उन्हें लेकर अक्सर बहस होती है। विज्ञापनों से अच्छी खासी कमाई होती है और ये कलाकार सोशल मीडिया पर ट्रोल होते हैं। हाल ही में बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने 40 करोड़ रुपये के तंबाकू के विज्ञापन को ठुकरा दिया था। इस पर उन्होंने अब बात की है। पीपिंग मून पॉडकास्ट से बातचीत में सुनील शेट्टी ने बताया है कि मोटी रकम मिलने के बावजूद उन्होंने तंबाकू ब्रांड का विज्ञापन क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा मैं जो भी हूं अपनी सेहत की वजह से हूं। यह मेरा शरीर ही था जिसने सुनील शेट्टी को फिल्मों में मौका दिया। अगर मैं इसे अपनी पूजा की जगह नहीं मानूंगा, तो मैं अपने साथ नाइंसाफी करूंगा। मैं अपने बच्चों के लिए कौन सी विरासत छोड़ कर जाऊंगा? हो सकता है कि सिनेमा के मामले में आज मैं उतना जरूरी नहीं हूं लेकिन आज भी 17 से 20 साल के युवा मुझे बहुत प्यार और इज्जत देते हैं। सुनील शेट्टी ने आगे कहा श्मुझे 40 करोड़ रुपये का तंबाकू विज्ञापन का ऑफर मिला था, मैंने उन्हें देखा और कहा– क्या आपको सच में लगता है कि मैं इसे करूंगा? मैं नहीं करूंगा। हो सकता है कि मुझे पैसों की जरूरत थी लेकिन नहीं। मैं वह चीज नहीं करूंगा जिसमें मुझे विश्वास न हो। अगर मैं इसे करूंगा तो अहान, अथिया और राहुल सब पर दाग लग जाएगा। इसके बाद किसी ने मुझे ऑफर करने की हिम्मत नहीं की। सुनील शेट्टी जल्द ही फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आने वाले हैं।

बाजार जैसी सॉफ्ट और स्पॉन्जी इडली बनाने के लिए आजमाएं ये हैक्स

इडली नाश्ते से लेकर खाने तक में काफी अच्छी लगती हैं। ये खाने में जितना टेस्टी लगती है उतनी ही हेल्दी भी होती है। इसे चटनी और सांभर के साथ खाया जाता है। हालांकि कई बार लोगों की ये शिकायत रहती है कि उनकी इडली सॉफ्ट और स्पॉन्जी नहीं बनती है। ऐसे में आज हम बात रहे हैं कुछ कुकिंग हैक्स के बारे में...

अगर आप इडली को सॉफ्ट और स्पॉन्जी बनाना चाहती हैं तो आप सही चावलों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि इन्हें सोक करते समय आपको इनके अनुपात का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए। इसलिए इडली बैटर के लिए 2रू1 का रेशियो रखे। इडली बैटर को तैयार करने के लिए बासमती चावल का इस्तेमाल कभी नहीं करना चाहिए। इसके लिए इडली राइस या पार्बोल्ड राइस का इस्तेमाल करें। अच्छी इडली बनाने के लिए मीडियम ग्रेन या शॉर्ड राइस को चुनें।

हर दो कप चावल के लिए आपको एक कप दाल का इस्तेमाल करना है। वहीं फरमेंटेशन के बाद एक बेहतर परिणाम चाहती हैं तो उसके लिए फ्रेश दाल का ही इस्तेमाल करें। पुरानी रखी दाल से आपको कभी सॉफ्ट इडली नहीं मिलेगी।

जब आप दाल और चावल को सोक करने के बाद उसे पिसती हैं तो उस समय भी आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखें। ऐसे में आप वेट ग्राइंडर को इस्तेमाल करें। इस तरह दाल–चावल में ग्राइंडर का इस्तेमाल करें। इस तरह दाल–चावल को ग्राइंड करते समय आप आईस–कोल्ड वाटर में डालें। याद रखें कि इसमें ठंडा पानी मिलाएं।

बैटर या तो ठंडा होना चाहिए या फिर रुम के तापमान के हिसाब से। इडली की फ्लफीनेस को सही तरह से बनाए रखना चाहिए तो इसमें मेथीदाना यकीनन आपकी काफी मदद कर सकता है। ये हेल्दी है और फरमेंटेशन में आपकी मदद कर सकता है।

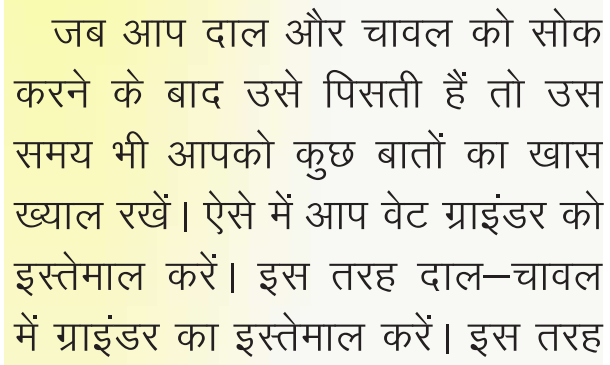

मटर के छिलके फेंकने की ना करें भूल, बनाएं 2 आसान सी टेस्टी रेसिपीज

सर्दियों में कुछ सब्जियां एकदम ताजी–ताजी आती हैं। उनमें से एक मटर भी है। आपने क्या कभी गौर किया है इन दिनों मटर का स्वाद एकदम अलग और स्वादिष्ट लगता है। मीठे मटर को आप पुलाव से लेकर सब्जियों और हरे कबाब में भी उपयोग में लाती हैं। अब मटर की बात तो ठीक है, लेकिन मटर के छिलके कभी खाए हैं? ये भी मटर की तरह मीठे होते हैं। कुछ जगहों पर तो मटर के छिलके की भाजी भी बनाई जाती है। क्या आपने इसका स्वाद लिया है? आज इस स्टोरी में हम आपको मटर के छिलके की रेसिपीज बताने वाले हैं। इन रेसिपीज को आप भी जरूर ट्राई करके जरूर देखें...

मटर के छिलके की भाजी

1. हरे मटर के छिलके– 20–25
2. मध्यम आकार का छिला हुआ आलू 2
3. तेल– 2 बड़े चम्मच
4. जीरा – 1/2 छोटा चम्मच
5. मध्यम आकार का प्याज कटा हुआ– 2
6. नमक स्वादानुसार
7. हल्दी पाउडर– 1/4 छोटा चम्मच
8. अदरक–लहसुन का पेस्ट– 1 बड़ा चम्मच
9. मध्यम टमाटर– 1
10. धनिया पाउडर– 1 छोटा चम्मच
11. लाल मिर्च पाउडर –1/2 छोटा चम्मच
12. गरम मसाला पाउडर – 1/2 छोटा चम्मच

विधि

1. हरे मटर के छिलके को मसल कर दोनों तरफ से पतला छिलका हटा दीजिए और फिर इन्हें) इंच के टुकड़ों में काट लें।

2. एक नॉन स्टिक कढ़ाही में तेल गरम करें। वहीं, आलू को लंबा–लंबा काटकर अलग रख लें।

3. अब कढ़ाही में जीरा और प्याज डालकर उसे भून लें। इसके बाद इसमें आलू, नमक और हल्दी पाउडर डालकर मिलाएं और कुछ देर भूनें।

4. अब इसमें अदरक–लहसुन का पेस्ट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। ढककर तब तक पकाएं जब तक कि आलू लगभग पक न जाएं।

5. इसके बाद इसमें टमाटर डालकर उसे 2–3 मिनट पका लें। अब इसमें हरे मटर के छिलके डाल कर हिला लें। इसमें फिर धनिया, लाल मिर्च और गरम 6. 6. मसाला पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

7. ढककर 5 मिनट पकाएं और इसमें अदरक डालकर सर्व करें।

मटर के छिलके की चटनी

1.धनिया– 1 कप
2. मटर के छिलके– 2 कप
3. छोटा प्याज–1
4.अदरक– 1/2 इंच
5.लहसुन की कली–2–3
6.हरी मिर्च – 2
7.नींबू– 1
8.चाट मसाला– 1/2 छोटा चम्मच
9.नमक स्वादानुसार

विधि

1.मटर के छिलकों को साफ करके अच्छी तरह से धो लें और उसके बाद पानी में डालकर 2–3 मिनट उबाल लें।

2.छिलके को पानी से निकाल लें और सारी सामग्री को एक साथ इकट्ठा कर लें।

3.अब एक ब्लेंडर में मटर के छिलके के साथ–साथ प्याज, धनिया, अदरक और लहसुन, हरी मिर्च और नमक ब्लेंड कर लें।

4. आखिर में नींबू का रस और चट मसाला मिलाकर इसे खाने या पराठे के साथ सर्व करें।

तो देखा आपने कितना आसान है इन छिलकों को कुकिंग में इस्तेमाल करना। आप भी इन रेसिपीज को जरुर करें ट्राई

नई–नवेली दुल्हन मेकअप किट में रखें बस ये 5 चीजें, खूबसूरती में लग जाएंगे चार–चांद

लड़की की शादी की तैयारियां बहुत सोच– समझकर करनी पड़ती हैं। कपड़े, ज्वेलरी, फुटवियर से लेकर मेकअप किट तक में एक– एक चीज को बहुत ध्यान से रखना जरूरी होता है क्योंकि शादी के बाद लंबे समय तक हर किसी की निगाह नई नवेली बहू पर ही टिकी रहती है। मेकअप किट तमाम लोगों को फिजूल खर्च लगता है, लेकिन वास्तव में मेकअप ही वो चीज है जो नई बहू की खूबसूरती को निखारता है। शादी के बाद शुरुआती दिनों में तमाम रस्मों के दौरान, पारिवारिक फंक्शन आदि तमाम मौकों पर बहू को मेकअप करना ही पड़ता है। ऐसे में नई दुल्हन की मेकअप किट में ऐसी चीजों को रखना बहुत जरूरी है, जो उसके काम आ सके। जानिए उन 5 प्रोडक्ट्स के बारे में जो हर दुल्हन की मेकअप किट में होना जरूरी हैं।

फाउंडेशन

मेकअप किट में फाउंडेशन काफी अहम रोल निभाता है क्योंकि मेकअप की शुरुआत ही इससे होती है। इससे चेहरे के तमाम दाग धब्बे छिप जाते हैं और चेहरे के रंग साफ दिखता है। आजकल बाजार में सीसी क्रीम भी आने लगी है जो फाउंडेशन की जगह पर इस्तेमाल की जा सकती हैं।

प्राइमर और कंसीलर

मेकअप को लंबे समय तक टिके रहने के लिए प्राइमर की जरूरत पड़ती है, इसलिए बेहतर क्वालिटी का प्राइमर जरूर खरीदें। इसके अलावा चेहरे का रंग एक सा करने के लिए कंसीलर या कॉम्पेक्ट में से कोई एक चीज जरूर खरीदें।

आईलाइनर और मस्कारा

लाइनर छोटी आंखों को बड़ा दिखाने के साथ आंखों की खूबसूरती बढ़ाता है। वहीं मस्कारा पलकों को हाईलाइट करता है। इसे दुल्हन की किट में जरूर रखें। लाइनर के तमाम शेड्स मार्केट में आते हैं जिन्हें आप कपड़ों की मैचिंग के हिसाब से खरीद सकती हैं। आईब्रो पेंसिल और काजल काजल और आईब्रो पेंसिल के बगैर आंखों का मेकअप अधूरा है। आप दोनों ही चीजें बेहतर क्वालिटी और लॉन्ग लास्टिंग खरीदें। अगर पॉसिबिल हो तो आई शेडो भी खरीद लें। लिपस्टिक के बगैर तो सारा मेकअप अधूरा है। बाजार में तमाम शेड्स की लिपस्टिक मौजूद हैं। आप रंग का चुनाव पसंद के हिसाब से करें। लेकिन लिपस्टिक की क्वालिटी का विशेष ध्यान रखें।

बच्चों के कमरे से ये चीजें रखें दूर, वरना जान पर आ सकती है आफत

आज के दौर में मां–बाप अपने बच्चों को अलग कमरा देने की कोशिश करते हैं। भले ही बच्चों की उम्र कम ही क्यों ना हो। अगर आप भी छोटे बच्चों के लिए अलग से कमरा तैयार करवा रहे हैं, तो आपको इन बातों का ध्यान रखने की बहुत जरूरत है, कि छोटे बच्चों के कमरे में कुछ ऐसी चीजों को नहीं रखना चाहिए जो उनके लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ये चीजें क्या हो सकती हैं आइये यहां जानते हैं....

नुकीली और धारदार चीजें

चाकू, कैंची, पेंचकस, टेस्टर, हेयर क्लिप जैसे नुकीली और धारदार चीजों को छोटे बच्चों के कमरे में नहीं रखना चाहिए। बच्चे इनको कभी भी हाथ में ले सकते हैं जिससे उनको नुकसान पहुंच सकता है, साथ ही ये भी ध्यान रखना चाहिए कि कमरे में मौजूद बेड या टेबल का किनारा भी धारदार न हो क्योंकि इस से बच्चे को चोट लगने का खतरा बना रहता है।

किसी भी तरह की दवाएं

किसी भी तरह की दवाएं चाहें वो टेबलेट्स फॉर्म में हों या लिक्विड फॉर्म में, इनको बच्चों के कमरे में नहीं रखना चाहिए। अगर बच्चों की दवाएं भी हैं तो भी उनके कमरे से इनको दूर रखें। बच्चे इनको कभी भी खेल–खेल में मुंह में डाल सकते हैं जो उनके लिए खतरनाक हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान

बच्चों के कमरे में वायर, झालर, फोन, टेबल लैम्प जैसे सामान भी नहीं रखने चाहिए। इनको इस्तेमाल करने के दौरान बच्चों को करंट लगने का खतरा है। साथ ही खेल–खेल में इन सामानों को वो मुंह में भी डालने की कोशिश कर सकते हैं। इस बात का भी ध्यान रखने की जरूरत है कि उनके कमरे के पॉवर प्लग और स्विच बोर्ड भी उनकी पहुंच से बाहर हों।

हिलने वाले सामान और झूला

बच्चों के कमरे में झूला, हिलने वाले फर्नीचर और आराम कुर्सी जैसी चीजें भी नहीं रखनी चाहिए। बच्चा इन पर चढ़ने की कोशिश में गिर सकता है, साथ ही हिलने वाले फर्नीचर उसके ऊपर पलट सकते हैं। जिससे उसको चोट लग सकती है।

शीशा–कांच और चीनी–मिटटी की चीजें

बच्चों के कमरे में शीशा रखने से भी बचना चाहिए। बच्चा गुस्से में या खेल में शीशे पर कुछ भी फेंककर मार सकता है जिससे शीशा टूट कर बिखर सकता है जो बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। साथ ही बच्चे के कमरे में कांच और चीनी मिट्टी से बने शो पीस, वास वगैरह भी नहीं रखने चाहिए। इनके टूटने पर बच्चे को चोट लगने का खतरा होता है।

बहिष्कार की धमकी देकर पलटा पाकिस्तान

विश्व कप के लिए किया टीम का एलान, बाबर और शाहीन शामिल

कराची। पाकिस्तान ने अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसमें बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी जैसे सीनियर खिलाड़ी भी शामिल हैं। पाकिस्तान ने रविवार को टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बयान दिया था कि टीम का इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलना पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्णय पर निर्भर है। इतना ही नहीं उसने तो विश्व कप का बहिष्कार करने तक की धमकी दी थी। हालांकि, अब पीसीबी ने टीम का एलान कर दिया। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में सलमान अली आगा की कप्तानी में खेलने उतरेगा। बांग्लादेश प्रकरण पर बीच में कूदा था पाकिस्तान पाकिस्तान ने बांग्लादेश मामले को लेकर टांग अड़ाई थी और आईसीसी के फैसले की आलोचना की थी। आईसीसी ने बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया था। नकवी ने इस मामले को लेकर आईसीसी को घेरा था और पक्षपात का आरोप लगाया था। नकवी ने यह भी कहा था कि टी20 विश्व कप में खेलने पर अंतिम निर्णय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से चर्चा के बाद लिया जाएगा। हालांकि, इसके अगले ही दिन पाकिस्तान ने टीम घोषित कर दी जो इस बात का संकेत है कि टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। पाकिस्तान के लिए क्यों अहम है टूर्नामेंट? पाकिस्तान के लिए सात फरवरी से होने वाला यह टूर्नामेंट काफी अहम है क्योंकि टीम ने अब तक सिर्फ एक बार ही इसका खिताब जीता है। पाकिस्तान 2009 में टी20 विश्व कप का चौंपियन बना था और तब से उसने दोबारा कभी इसकी ट्रॉफी अपने नाम नहीं की है। पाकिस्तान का 2024 टी20 विश्व कप में प्रदर्शन काफी खराब रहा था और उसकी कोशिश इस बार अपना दम दिखाने की होगी। सलमान अली आगा की टीम के पास दूसरी बार यह खिताब अपने नाम करने का मौका रहेगा।

हारिस रऊफ टीम में शामिल नहीं बाबर आजम के टीम में शामिल होने से पाकिस्तान को फायदा होगा क्योंकि उनका अनुभव टीम के काम आ सकता है। वहीं, हारिस रऊफ की अनुपस्थिति से तेज गेंदबाजी आक्रमण का जिम्मा शाहीन और नसीम शाह पर होगा। टीम में ऑलराउंडरों की भी मजबूत मौजूदगी है, जिनमें फहीम अशरफ, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे खिलाड़ी बल्ले और गेंद दोनों से कई विकल्प प्रदान करते हैं। भारत–पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल पाकिस्तान ग्रुप ए में शामिल है जिसमें गत चौंपियन भारत, नीदरलैंड, अमेरिका और नामीबिया मौजूद हैं। पाकिस्तान की टीम सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पाकिस्तान टी20 विश्व कप में अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलेगा। टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीमरू सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा मोहम्मद नफे (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, शाहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाकिस्तान को भारी पड़ेगा आईसीसी से पंगा लेना!

टी20 विश्वकप में नहीं खेलने पर क्या हो सकती है कार्रवाई ?

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अक्सर अपने बयान से सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने सीधे तौर पर आईसीसी पर ही निशाना साध दिया था, लेकिन क्रिकेट की वैश्विक संस्था इस बार इसे नजरअंदाज करने के मूड में नहीं है। आइए जानते हैं कि नकवी ने क्या बयान दिया जिसके बाद एक नया विवाद शुरू हो गया। बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने खुलकर विरोध जताया था। अब बताया जा रहा है कि आईसीसी श्ट्रॉफी चोरश नकवी के बयान से खफा है। बांग्लादेश ने विश्व कप के लिए भारत की यात्रा करने से इनकार कर दिया था और बार–बार आईसीसी के समझाने के बावजूद वह अपनी जिद पर कायम था। आखिरी में आईसीसी ने बांग्लादेश को बाहर कर स्कॉटलैंड को इस वैश्विक टूर्नामेंट में शामिल कर लिया था। नकवी ने क्या कहा था? मोहसिन नकवी ने एक तरफ आईसीसी पर बांग्लादेश मामले में पक्षपात का आरोप लगाया।

अजहरुद्दीन से लेकर मदन लाल तक ने बांग्लादेश को बाहर करने का समर्थन किया

नई दिल्ली। आईसीसी के फैसले पर पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने खुशी जताई है। पूर्व खिलाड़ी मदन लाल ने बांग्लादेश मामले को लेकर पाकिस्तान पर भी निशाना साधा है। आइए जानते हैं किसने क्या कहा। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को झटका देते हुए बांग्लादेश की क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया। बीसीबी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिद ने राष्ट्रीय टीम को इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलने से वंचित कर दिया है। अब इसे लेकर पूर्व भारतीय खिलाड़ियों के बयान भी सामने आ रहे हैं। पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और मदन लाल ने आईसीसी के फैसले को जमकर सराहा है।

स्कॉटलैंड की टीम विश्व कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी और उसका 20 टीमों के बीच होने वाले टूर्नामेंट में खेलने का सपना टूट गया था। हालांकि, बीसीबी के ड्रामे के कारण स्कॉटलैंड विश्व कप में हिस्सा ले सकेगा। स्कॉटलैंड की टीम ग्रुप सी में बांग्लादेश की जगह लेगी और भारत में ग्रुप चरण के अपने सभी मैच खेलेगी। विश्व कप के दौरान स्कॉटलैंड ग्रुप चरण में अपने चार मुकाबले वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में खेलेगा, जबकि नेपाल के खिलाफ उसका मैच 17 फरवरी को मुंबई में होगा। आईसीसी के फैसले पर अजहरुद्दीन ने कहा, बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करने का आईसीसी का फैसला एकदम सही है।

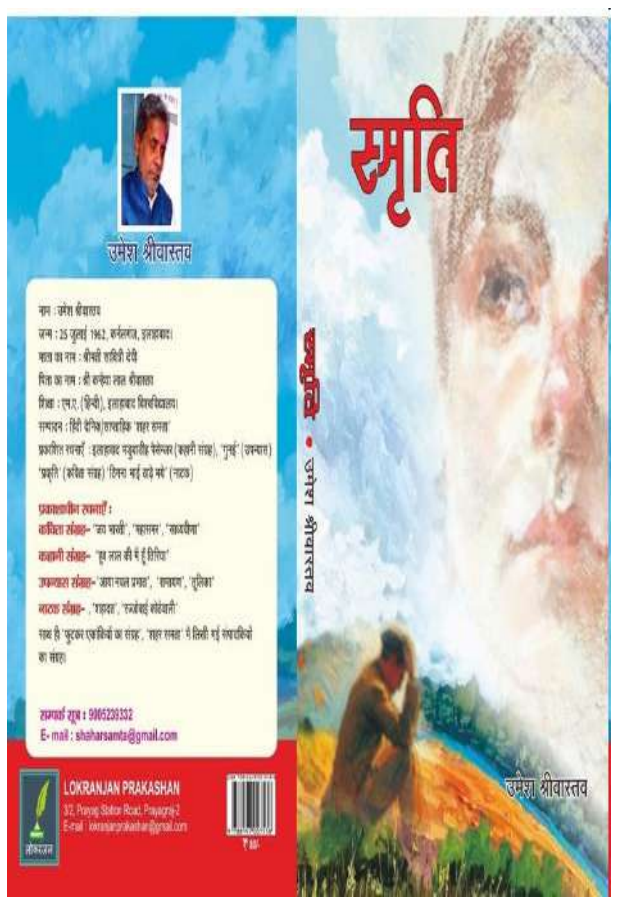

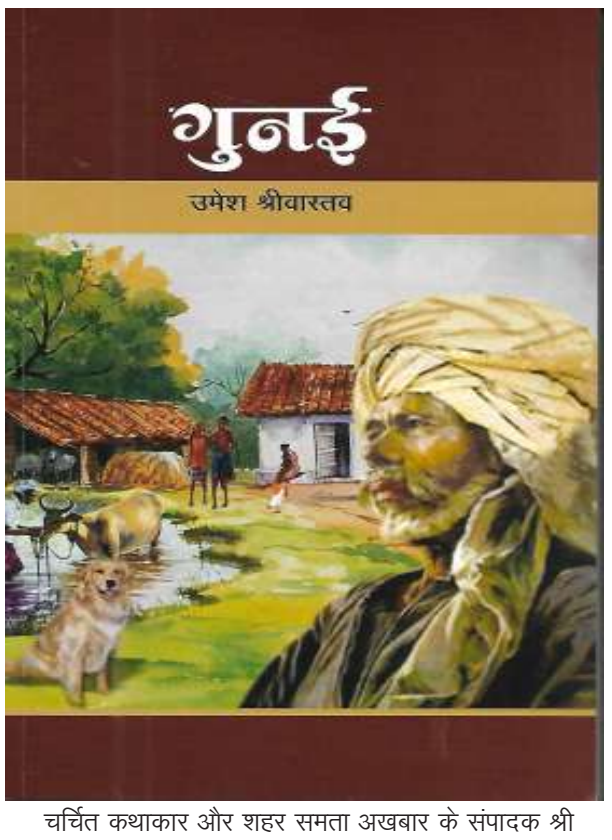

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

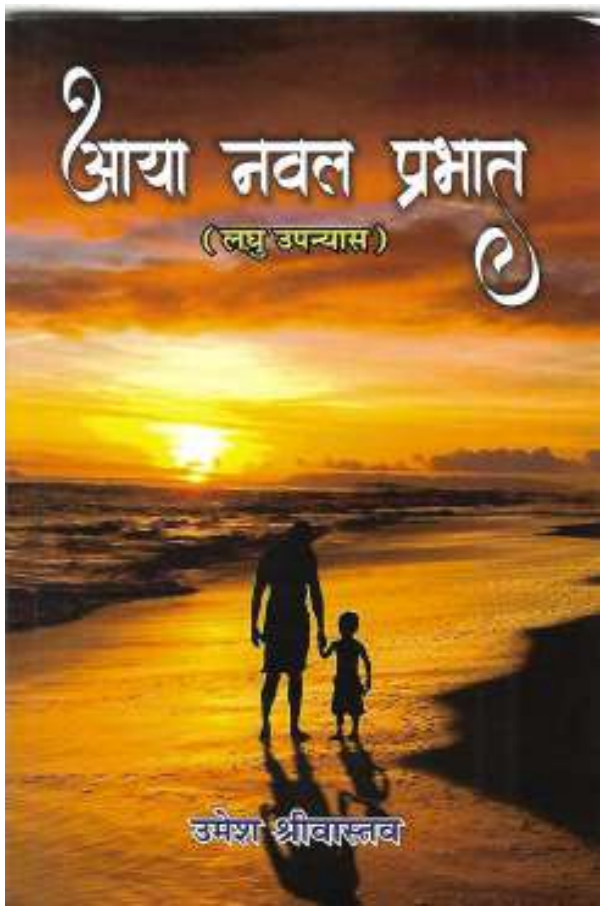

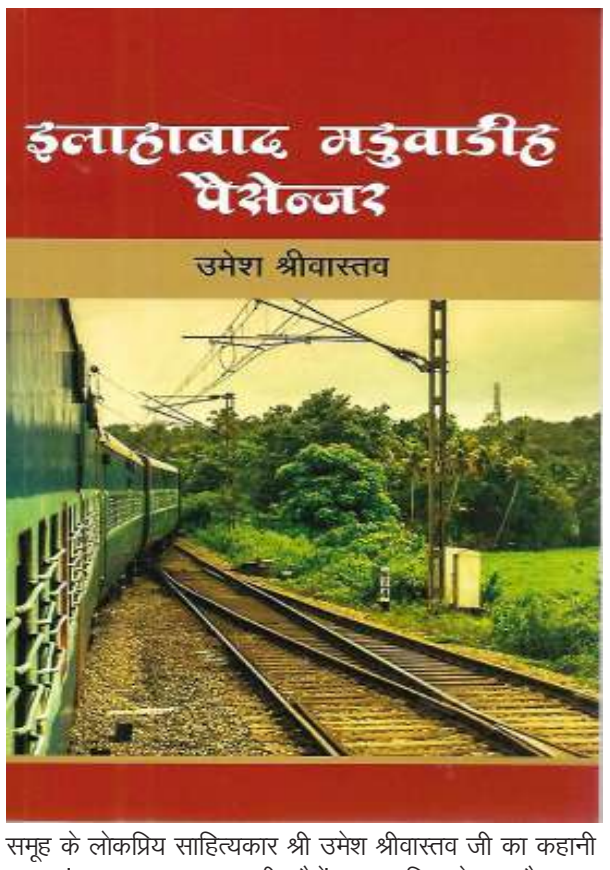

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

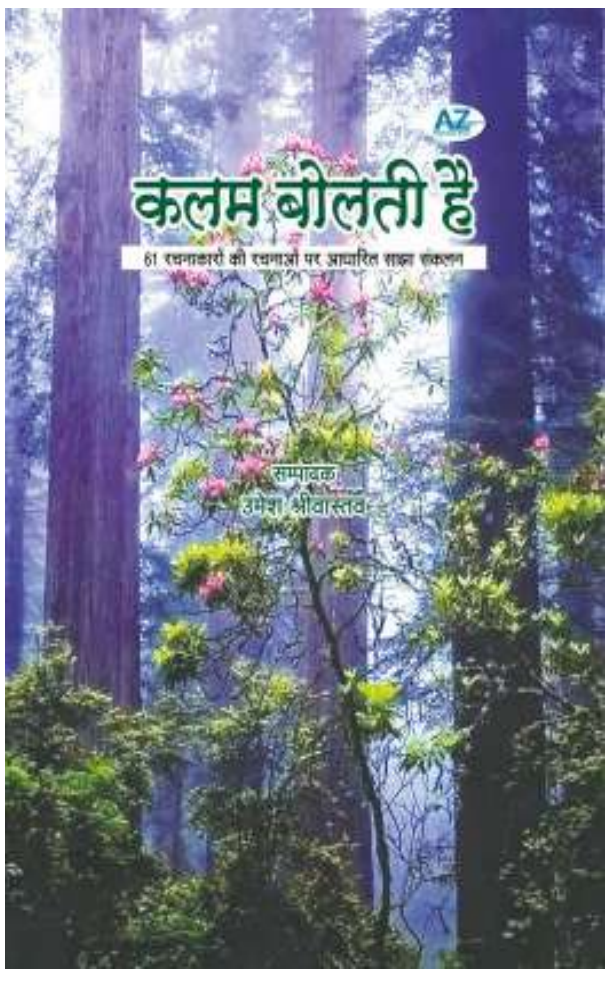

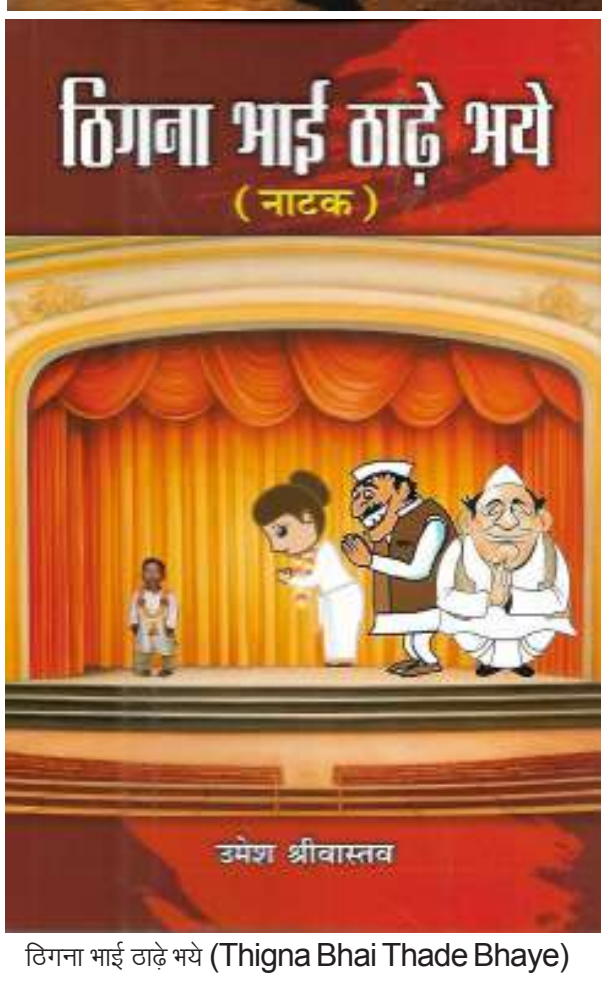

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मोहम्मद शमी के पांच विकेट, सेना पर बोनस अंक की जीत के करीब बंगाल

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की शानदार गेंदबाजी (51 रन देकर पांच विकेट) ने बंगाल को शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच के तीसरे दिन सेना के खिलाफ बोनस अंक के साथ जीत के करीब पहुंचा दिया। शमी ने 16 ओवर में तीन मेडन से 51 देकर पांच विकेट चटकाकर शानदार प्रदर्शन किया जिससे विपक्षी टीम का बल्लेबाजी लाइनअप लड़खड़ा गया और सेना की टीम ने दूसरी पारी में 231 रन पर आठ विकेट गंवा दिए। इससे वह 102 रन से पिछड़ रही है। बंगाल ने इससे पहले अपनी पहली पारी में 519 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था और सेना को महज 186 रन पर आउट करके 333 रन की बड़ी बढ़त हासिल की थी। शमी ने सेना के सलामी बल्लेबाज शुभम रोहिल्ला (00) और तीसरे नंबर के बल्लेबाज रवि चौहान (08), रजत पालीवाल (83), विनीत धनखड़ (13) और अर्जुन शर्मा (2) को आउट करके अपने पांच विकेट पूरे किए। नाडियाड में ग्रुप के एक अन्य मैच में गुजरात दूसरी पारी में 347 रन पर ऑल आउट हो गई जिससे वह हार की कगार पर है। रेलवे को जीत के लिए 99 रन बनाने हैं। रेलवे ने पहली पारी में मेजबान टीम को 175 रन पर आउट कर दिया था। रेलवे ने जुबैर खान की 104 रन की शतकीय पारी के साथ रवि सिंह (98), कप्तान भार्गव मेराई (55) और कर्ण शर्मा (60) के अर्धशतकों की बदौलत 424 रन बनाकर 249 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरी पारी में बल्ले से काफी बेहतर प्रदर्शन के बावजूद गुजरात की टीम 347 रन पर सिमटकर 98 रन की बढ़त ही बना सकी जिसमें जयमीत पटेल ने 101 और उर्विल पटेल ने 64 रनों की शानदार पारी खेली। रेलवे के लिए कर्ण ने 87 रन देकर पांच विकेट लिए। मेजबान असम ने तीसरे दिन हरियाणा के खिलाफ दूसरी पारी में सात विकेट पर 136 रन बनाकर अपनी कुल बढ़त 147 रन तक पहुंचा दी। असम ने पहली पारी में 247 रन बनाने के बाद हरियाणा को 236 रन पर आउट कर 11 रन की मामूली बढ़त हासिल की। हालांकि हरियाणा के लिए युवराज सिंह (84) और अंकित कुमार (50) ने अर्धशतक बनाए। वहीं अगरतला में त्रिपुरा की स्थिति थोड़ी बेहतर है क्योंकि उसने उत्तराखंड के खिलाफ अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 247 रन बनाकर कुल 212 रन की बढ़त हासिल कर ली। उत्तराखंड ने मेजबान टीम के पहली पारी में 266 रन के जवाब में 301 रन बनाए थे।

बांग्लादेश के फैसले पर मदन लाल का पाकिस्तान पर बड़ा आरोप

टी20 विश्व कप को लेकर दक्षिण एशियाई क्रिकेट में सियासी बयानबाजी तेज होती दिख रही है। इसी कड़ी में 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मदन लाल ने बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने की आशंका पर पाकिस्तान को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। बता दें कि भारत और श्रीलंका में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने पुष्टि की है कि उनकी टीम भारत नहीं आएगी। उन्होंने साफ किया है कि बांग्लादेश तभी टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा, जब उसके ग्रुप सी के सभी मुकाबले श्रीलंका में कराए जाएं हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश ग्रुप सी में इंग्लैंड, नेपाल, इटली और वेस्टइंडीज के साथ शामिल है। मौजूदा हालात में अगर टीम टूर्नामेंट से बाहर होती है, तो उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जा सकता है। आईसीसी पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि तय कार्यक्रम में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा, जबकि बांग्लादेश बोर्ड ने विश्व क्रिकेट संस्था से दोबारा बातचीत की बात कही है। मौजूद जानकारी के अनुसार, इस पूरे विवाद के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भी चर्चा में आ गया है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पीसीबी बांग्लादेश के रुख के समर्थन में खड़ा है। पाकिस्तानी मीडिया में यह भी कहा गया कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने अंतिम फैसले तक टीम की तैयारियों पर रोक लगा दी है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए मदन लाल ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेश को उकसाने के पीछे पाकिस्तान की मंशा भारत को नीचा दिखाने की है। मदन लाल के मुताबिक, इस फैसले से भारत को कोई नुकसान नहीं होगा, बल्कि सबसे बड़ा घाटा बांग्लादेश को ही उठाना पड़ेगा, खासकर व्यावसायिक और क्रिकेटिंग दृष्टि से हैं। मदन लाल ने यह भी कहा है कि तय कार्यक्रम के अनुसार बांग्लादेश के तीन मैच कोलकाता और एक मैच मुंबई में होने हैं। उनका मानना है कि मुंबई देश के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है और सुरक्षा को लेकर उठाए जा रहे सवालों में कोई ठोस आधार नहीं है। उन्होंने पूरे विवाद को राजनीति से प्रेरित बताया है। वहीं, बांग्लादेश में मीडिया से बात करते हुए बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम और सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा है कि भारत में टीम की सुरक्षा को लेकर वास्तविक चिंताएं हैं। उनका आरोप है कि बीसीसीआई और आईसीसी ने इन आशंकाओं को दूर करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए हैं। फिलहाल, आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच बातचीत का अगला दौर अहम माना जा रहा है। इस फैसले का असर न सिर्फ टूर्नामेंट की संरचना पर पड़ेगा, बल्कि एशियाई क्रिकेट की राजनीति पर भी दूरगामी प्रभाव छोड़ सकता है।

विराट कोहली के टेस्ट संन्यास पर मनोज तिवारी का बड़ा दावा, बयान से बढ़ी बहस

विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से विदा लेने का मुद्दा अभी भी थमा नहीं है। इस बहस में अब पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनोज तिवारी की एंट्री हुई है, जिन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कोहली के फैसले को लेकर बड़ा और विवादित दावा किया है। बता दें कि मनोज तिवारी ने एक बातचीत में कहा है। कि विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट खुद की मर्जी से नहीं छोड़ा, बल्कि परिस्थितियां ऐसी बना दी गई थीं कि उन्हें यह फैसला लेना पड़ा है।

संक्षिप्त

क्या बांग्लादेश पर पाकिस्तानी सेना और ISI ने किया कब्जा? अवामी लीग के पूर्व सांसद का बड़ा दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। अवामी लीग के पूर्व सांसद बहाउद्दीन नसीम ने बांग्लादेश में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और सेना की कथित मौजूदगी को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अंतरिम प्रशासन पर विदेशी प्रभाव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। बहाउद्दीन नसीम ने एएनआई से बातचीत करते हुए दावा किया कि हाल के दिनों में पाकिस्तान की सैन्य खुफिया एजेंसी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी बांग्लादेश आए हैं। उनके अनुसार, आईएसआई के दूसरे नंबर के अधिकारी और पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारी लगातार ढाका का दौरा कर रहे हैं। नसीम ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आईएसआई पर दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया में आतंकवादी संगठनों को पनाह, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देने के आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में ऐसी ताकतों को बांग्लादेश में घुसपैठ का कोई अवसर नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि उस समय देश में आंतरिक सुरक्षा, सांप्रदायिक सौहार्द और धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम थी। पूर्व सांसद ने मौजूदा अंतरिम प्रशासन को श्अवैधश बताते हुए आरोप लगाया कि पाकिस्तान के कथित सहयोगियों को अब सरकारी और गैर–सरकारी संस्थानों में प्रभाव मिल रहा है। नसीम ने यह भी आरोप लगाया कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने अपने स्तर पर पाकिस्तान के साथ संपर्क बढ़ाया है। पूर्व सांसद ने हालिया घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि कराची और चटगांव बंदरगाह के बीच सीधा व्यावसायिक जहाज संचालन शुरू हुआ है, जो पिछले 54 वर्षों में नहीं हुआ था। उनके अनुसार, यह बदलाव मौजूदा अंतरिम सरकार के कार्यकाल में देखा जा रहा है। नसीम ने यह भी दावा किया कि बांग्लादेश के रणनीतिक और संवेदनशील क्षेत्रों में पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों और खुफिया एजेंसियों की गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ वरिष्ठ आईएसआई अधिकारियों ने देश के भीतर ठिकाने भी बना लिए हैं, जिससे आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा मिलने का खतरा है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की जनता किसी भी विदेशी खुफिया एजेंसी की मौजूदगी का विरोध कर रही है और इसे राष्ट्रीय संप्रभुता व सुरक्षा के लिए खतरा मानती है। अवामी लीग ने इन आरोपित गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हुए देश की स्वतंत्रता और स्थिरता की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बनाई नई रक्षा रणनीति, नाटो और अन्य सहयोगियों से कहा– अब खुद ही करें अपनी सुरक्षा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने शुक्रवार देर रात प्राथमिकताओं में बदलाव को दर्शाने वाली नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति जारी की। इसमें नाटो व अन्य सहयोगी देशों को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद संभालने को कहा गया है। इसमें वो सभी राष्ट्र शामिल हैं, जिनसे अब तक अमेरिका के प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। इस प्रकार का 34 पन्नों का दस्तावेज 2022 के बाद पहली बार जारी किया गया है, जो एक सैन्य नीति दस्तावेज होने के बावजूद काफी हद तक राजनीतिक है। इसमें यूरोप से एशिया तक के साझेदार देशों की आलोचना की गई है। दस्तावेज में हुई आलोचना के तहत यूरोप और एशियाई साझेदार देश अपनी रक्षा के लिए पूर्व अमेरिकी सरकारों पर निर्भर रहे। इसमें दृष्टिकोण, फोकस और लहजे में तीव्र बदलाव की बात कही गई है, जिसका मतलब है कि रूस से लेकर उत्तर कोरिया तक के खतरों से निपटने का ज्यादा बोझ अब सहयोगी देशों को उठाना होगा। यह दस्तावेज ऐसे समय आया है जब ट्रंप प्रशासन और यूरोप जैसे उसके पारंपरिक सहयोगियों के बीच तनाव है। इसमें रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के मंत्रालय की तरफ से ग्रीनलैंड और पनामा नहर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक अमेरिकी सैन्य और व्यावसायिक पहुंच सुनिश्चित करने के विश्वसनीय विकल्प देने की बात कही गई है। 34 पेज का यह दस्तावेज चीन के संदर्भ में कहता है कि बदलाव दर्शाने वाली नई राष्ट्रीय रक्षा नीति का उद्देश्य चीन पर प्रभुत्व जमाना या उसे अपमानित करना नहीं है। इसका मुख्य मकसद उसे अमेरिका और उसके सहयोगियों पर हावी होने से रोकना है। हालांकि, इस अहम रणनीतिक दस्तावेज में ताइवान का कोई स्पष्ट जिक्र नहीं है, जबकि 2022 की रणनीति में ताइवान की आत्मरक्षा के समर्थन की बात कही गई थी। यूरोप के बारे में कहा गया है कि रूस उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्वी सदस्यों के लिए खतरा बना रहेगा, लेकिन नाटो सहयोगी यूरोप की पारंपरिक रक्षा की मुख्य जिम्मेदारी खुद संभालने में सक्षम हैं। मालूम हो कि अमेरिका पहले ही यूक्रेन सीमा के पास नाटो क्षेत्रों से अपने सैनिकों की संख्या घटाने की पुष्टि कर चुका है। वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ संभावित व्यापार समझौते को लेकर कनाडा को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ कोई व्यापारिक सौदा किया तो अमेरिका सभी कनाडाई वस्तुओं और उत्पादों पर तुरंत 100 प्रतिशत टैरिफ लगा देगा।

सरकारी बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच युद्धविराम 15 दिन बढ़ा, अमेरिकी ऑपरेशन का सरकार ने किया समर्थन

क्का, एजेंसी। सीरियाई सरकार और कुर्द–नेतृत्व वाले सैनिकों के बीच चार दिन की शांति समझौता समाप्त होने के कुछ ही घंटे बाद सीरिया की रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि युद्धविराम को अगले 15 दिन के लिए बढ़ा दिया गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

म्यांमार चुनाव का आखिरी चरण आज, सत्ता पर सेना की पकड़ हुई मजबूत, आलोचक बोले– ये बस दिखावा है

यांगून, एजेंसी। म्यांमार में रविवार को आम चुनाव के तीसरे और आखिरी चरण के लिए वोट डाले गए। यह प्रक्रिया करीब एक महीने से चल रही थी। इसके साथ ही देश की संसद में सैन्य शासकों और उनके सहयोगियों का बहुमत तय हो गया है। अब वे आसानी से नई सरकार बना लेंगे। आलोचकों का कहना है कि ये चुनाव निष्पक्ष नहीं हैं। उनका मानना है कि फरवरी 2021 में आंग सान सू की की सरकार गिराने के बाद सेना के शासन को सही ठहराने के लिए यह सब किया गया है। सेना की समर्थक पार्टी श्यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टीश (यूएसडीपी) पहले दो चरणों में ही ज्यादातर सीटें जीत चुकी है। इसके अलावा,

संसद में 25 फीसदी सीटें सेना के लिए पहले से आरक्षित हैं। इससे संसद पर उनका नियंत्रण पक्का हो गया है। उम्मीद है कि सैन्य प्रमुख जनरल मिन आंग हलिंग नए राष्ट्रपति बनेंगे। देश में गृह युद्ध जैसे हालात के कारण 330 में से 1ध्5 कस्बों में वोटिंग नहीं हुई। मलेशिया के विदेश मंत्री ने कहा कि आसियान (ASEAN) इन नतीजों को मान्यता नहीं देगा, क्योंकि चुनाव में सबको शामिल नहीं किया गया। हालांकि, रूस, चीन, भारत और जापान जैसे देशों ने अपने पर्यवेक्षक भेजे हैं। म्यांमार की 80 वर्षीय पूर्व नेता सू की जेल में हैं और उन्हें 27 साल की सजा मिली है। उनकी पार्टी को 2023 में खत्म कर दिया गया था। इसके साथ ही नए सुरक्षा कानून के तहत आलोचना करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो रही है और हाल ही में 400 से ज्यादा लोगों पर केस दर्ज किए गए हैं। आंकडों के अनुसार, पिछले दो राउंड की वोटिंग को मिलिट्री शासन का विरोध करने वाले सशस्त्र समूहों ने कई कस्बों में पोलिंग स्टेशनों और सरकारी इमारतों पर हमले करके वोटिंग को बाधित किया। इसमें कम से कम दो प्रशासनिक अधिकारियों की मौत हो गई। रविवार को वोटिंग छह क्षेत्रों और तीन राज्यों के 61 कस्बों में सुबह 6 बजे शुरू हुई, जिसमें कई ऐसे इलाके शामिल हैं जहां हाल के महीनों में झड़पें हुई हैं। चुनाव तीन तारीखों (28 दिसंबर, 11 जनवरी और 25 जनवरी) को हुए। कुल 664 सीटों में से अब सिर्फ 586 सीटों पर ही चुनाव मान्य होंगे। संसद की सभी सीटों के अंतिम नतीजे इस सप्ताह के अंत में घोषित होने की उम्मीद है। मिलिट्री सरकार ने घोषणा की है कि संसद मार्च में बुलाई जाएगी, और नई सरकार अप्रैल में अपना कार्यभार संभालेगी। आंकड़ों के मुताबिक, यूएसडीपी ने 233 सीटें जीती हैं। सेना के पास 166 सीटें रिजर्व हैं। दोनों मिलाकर करीब 400 सीटें हो गई हैं, जबकि सरकार बनाने के लिए सिर्फ 294 सीटें चाहिए। कुल 57 पार्टियों के 4,800 उम्मीदवार मैदान में हैं। हालांकि इसमें सिर्फ छह पार्टियां ही पूरे देश में चुनाव लड़ रही हैं। वोटरों की संख्या 2.4 करोड़ है, जो 2020 से 35 फीसदी कम है। वोटिंग 50 से 60 फीसदी के बीच रही।

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या, गैराज में पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

एजेंसी। बांग्लादेश में एक बार फिर एक हिंदू युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई है। युवक की पहचान चंचल चंद्र भौमिक के रूप में हुई है, जो नरसिंहदी इलाके में एक गैराज में सो रहा था। उसी दौरान अज्ञात लोगों ने गैराज में पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिसमें जिंदा जलकर चंचल की दर्दनाक मौत हो गई। बांग्लादेश के पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मामले की पूरी जानकारी दी। सलाहउद्दीन शोएब चौधरी ने लिखा कि बांग्लादेश में एक बार फिर हिंदू युवक को जलाकर मार डाला गया है। पहले दीपू चंद्र दास को मेमनसिंह में जलाकर मारा गया। उसके बाद शरियातपुर में खोकन चंद्र दास को मारा गया और अब नरसिंहदी में चंचल चंद्र भौमिक को एक दुकान में जिंदा जलाकर मार डाला गया। यह घटना शुक्रवार

रात घटित हुई। सलाहउद्दीन ने लिखा, चंचल चंद्र भौमिक कोमिला जिले के लक्ष्मीपुर गांव का निवासी था और अपने पिता की मौत के बाद घर चलाने की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। चंचल की मां बीमार रहती है और उसका एक भाई दिव्यांग है। वह बीते छह साल से नरसिंहदी में रूबल मियां नामक व्यक्ति के गैराज में काम करता था और नरसिंहदी में ही रहता था। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार को चंचल काम खत्म करने के बाद गैराज में ही सो गया। पास लगे एक सीसीटीवी में दिखा कि देर रात एक व्यक्ति ने चंचल को मारने के इरादे से पेट्रोल डालकर गैराज में आग लगा दी। आग लगाने के काफी देर बाद तक आरोपी वहां खड़ा रहा और जब उसे विश्वास हो गया कि चंचल की मौत हो गई है, तब वहां से गया। चंचल के परिवार ने भी हत्या का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों ने पहचान जाहिर न करने की शर्त पर आशंका जताई कि धार्मिक कारण से ही चंचल की हत्या की गई है। पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। यह सिलसिला छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद तेज हुआ। 18 दिसंबर को एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले दिपू चंद्र दास को ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट–पीटकर मार डाला और बाद में उसके शव को आग के हवाले कर दिया गया। इसके कुछ दिनों बाद पुलिस के अनुसार कुख्यात अपराधी बताए गए अमृत मंडल को राजबाड़ी जिले में जबरन वसूली के आरोप में भीड़ ने पीटकर मौत के घाट उतार दिया। बीते हफ्ते हिंदू व्यापारी लिटन चंद्र दास की भीड़ ने हत्या कर दी। एक अन्य मामले में पेट्रोल पंप पर काम करने वाले रिपन साहा को एक वाहन ने कुचल दिया। वाहन बिना भुगतान किए भाग रहा था और साहा ने उसे रोकने की कोशिश की थी।

गाजा में युद्ध विराम के दूसरे चरण को लेकर नै ने बढ़ाया दबाव, नेतन्याहू से मिले ये दिग्गज

काहिरा, एजेंसी। अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने शनिवार को इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। उन्होंने नेतन्याहू से गाजा में युद्धविराम के दूसरे चरण को शुरू करने की अपील की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, नेतन्याहू ने अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और सलाहकार जेरेड कुशनर से बात की। हालांकि, कार्यालय ने बातचीत का ब्योरा नहीं दिया। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दूत गाजा में आखिरी बंधक के अवशेष खोजने और इलाके को सेना मुक्त करने पर काम कर रहे हैं। अमेरिका ट्रंप के समझौते को आगे बढ़ाना चाहता है। लेकिन नेतन्याहू पर दबाव है कि जब तक हमास बंधक के अवशेष नहीं देता, तब तक इंतजार करें। दूसरे चरण में गाजा और मिस्र के बीच राफा बॉर्डर का खुलना सबसे अहम संकेत होगा। गाजा की भावी सरकार के प्रमुख अली शाथ ने कहा कि यह बॉर्डर इस हफ्ते खुल जाएगा। हालांकि इस्राइल ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन वह रविवार की बैठक में इस पर विचार करेगा। अभी बॉर्डर के गाजा वाले हिस्से पर इस्राइली सेना का कब्जा है। रान गविलि का शव अभी भी गाजा में है। उनके परिवार ने हमास पर दबाव बनाने की मांग की है। परिवार ने कहा ष्राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस सप्ताह दावोस में कहा था कि हमास को ठीक से पता है कि हमारा बेटा कहां रखा गया है। हमास अंतरराष्ट्रीय समुदाय को धोखा दे रहा है और हमारे बेटे, आखिरी बचे बंधक को वापस करने से इनकार कर रहा है, जो उसके द्वारा हस्ताक्षरित समझौते का स्पष्ट उल्लंघन है।ष वहीं, हमास का कहना है कि उसने सारी जानकारी दे दी है। उसने इस्राइल पर ही खोज में बाधा डालने का आरोप लगाया। यह युद्धविराम दस अक्टूबर को लागू हुआ था। मिस्र के विदेश मंत्री बदर अब्देलट्टी ने ट्रंप के शांति बोर्ड के निदेशक निकोले म्लाडेनोव से फोन पर बात की। उन्होंने राफा बॉर्डर को तुरंत खोलने और इस्राइली सेना की वापसी पर जोर दिया। उन्होंने इसे गाजा के पुनर्निर्माण के लिए जरूरी बताया। उधर, हमास के एक दल ने इस्तांबुल में तुर्की के खुफिया प्रमुख से भी मुलाकात की। शनिवार को ही गाजा में इस्राइली हमले में दो फिलिस्तीनी किशोर मारे गए। अस्पताल के मुताबिक, वे लकड़ी बीन रहे थे। वहीं, इसको लेकर इस्राइल की सेना ने कहा कि उन्होंने विस्फोटक लगाने वाले आतंकियों को निशाना बनाया था और वे बच्चे नहीं थे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, युद्धविराम के बाद से अब तक 480 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

मिनियापोलिस में संघीय अधिकारियों की कार्रवाई पर गंभीर सवाल, नर्स एलेक्स प्रेट्टी की दर्दनाक कहानी

मिनेसोटा, एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में शनिवार को एक संघीय अधिकारी की गोली से मारे गए व्यक्ति की पहचान एलेक्स जेफ्री प्रेट्टी के रूप में हुई है। उनके परिवार के अनुसार, एलेक्स वेटरन्स अफेयर्स (वीए) अस्पताल में आईसीयू नर्स थे। वे लोगों की बहुत परवाह करते थे और अपने काम के जरिए मरीजों की जान बचाने और उनकी मदद करने में गर्व महसूस करते थे। एलेक्स राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन नीति और मिनियापोलिस में आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट) की कार्रवाइयों से काफी परेशान थे। इसी वजह से वे हाल ही में हुए विरोध–प्रदर्शनों में भी शामिल हुए थे। उनके पिता माइकल प्रेट्टी ने कहा, श्वह लोगों की बहुत गहराई से परवाह करता था। जो कुछ मिनियापोलिस और पूरे अमेरिका में हो रहा है, उससे वह दुखी था। विरोध करना उसके लिए दूसरों के प्रति अपनी चिंता और समर्थन दिखाने का तरीका था।श एलेक्स का जन्म इलिनॉय में हुआ था और वे अमेरिकी नागरिक थे। कोर्ट रिकॉर्ड के अनुसार, उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं था। परिवार का कहना है कि ट्रैफिक टिकट के अलावा उनका कभी पुलिस से कोई सामना नहीं हुआ था। एलेक्स को घूमना–फिरना और प्रकृति में समय बिताना बहुत पसंद था। उन्हें अपने पालतू कुत्ते जूल से बेहद लगाव था, जो हाल ही में मर गया था। परिवार का कहना है कि यह सदमा भी उन्हें अंदर से तोड़ गया था। कुछ हफ्ते पहले एलेक्स के माता–पिता, जो विस्कॉन्सिन में रहते हैं, ने उनसे बात की थी और कहा था कि अगर वे विरोध करने जाएं तो सावधानी रखें। उनके पिता ने बताया, श्हमने उससे कहा था कि विरोध करो, लेकिन किसी से उलझो मत, कोई गलत कदम मत उठाओ। उसने कहा था कि उसे सब समझ में है और वह सावधान रहेगा।

ट्रंप की टैरिफ धमकी के खिलाफ कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने खोला मोर्चा, देशवासियों से की भावुक अपील

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कनाडा के लोगों से अपील की है कि वे देश में ही बने उत्पाद खरीदें। कनाडा के पीएम की यह अपील ऐसे समय सामने आई है, जब एक दिन पहले ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चीन से संभावित व्यापार समझौते को लेकर धमकी दी और कनाडा पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। मार्क

कार्नी की इस अपील से साफ है कि बाजार वैश्वीकरण की परिभाषा सिमट रही है और अब टैरिफ को लेकर दुनियाभर में जारी तनाव के चलते स्थानीय व्यापार पर देशों का फोकस बढ़ रहा है। मार्क कार्नी ने सोशल मीडिया पर साझा एक वीडियो संदेश में भावुक अपील करते हुए कनाडा के लोगों से कहा, श्कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है। ऐसे में कनाडा के लोगों के पास एक ही विकल्प है और वो ये है कि जो हमारे नियंत्रण में है, उस पर फोकस करें। वो ही सामान खरीदें, जो कनाडा में बना हो और जिसे बनाने में कनाडा के लोगों का पसीना लगा हो। कनाडा की सरकार ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कनाडा में बने उत्पादों की खरीद नीति बनाई है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था की दुनिया पर निर्भरता कम हो और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए।

कनाडा के पीएम ने रक्षा सामान भी देश में ही बनाने की बात कही, जिससे अन्य देशों पर रक्षा निर्भरता को घटाया जा सके।

मार्क कार्नी ने कहा, दूसरे देश क्या करते हैं, हम उसे नियंत्रित नहीं कर सकते। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि कनाडा को मजबूत बनाया जा सके। मार्क कार्नी का यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि अब कनाडा अपने पारंपरिक सहयोगी अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटा रहा है। कनाडा की नजर अब व्यापार बढ़ाने के लिए एशिया और चीन के बाजार पर है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में लिखा, श्अगर गवर्नर कार्नी को लगता है कि वह कनाडा को चीन के उत्पाद अमेरिका भेजने के लिए श्ट्रॉप ऑफ पोर्टश बनाएंगे, तो वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। चीन कनाडा को जिंदा खा जाएगा, उसे पूरी तरह से खत्म कर देगा, जिसमें उनके बिजनेस, सोशल ताना–बाना और आम जीवन का तरीका भी शामिल है।

अगर कनाडा चीन के साथ कोई डील करता है, तो अमेरिका में आने वाले सभी कनाडाई सामानों पर तुरंत 100: टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही कनाडा को धमका रहे हैं।

पहले ट्रंप ने कनाडा पर अवैध निर्वासन को बढ़ावा देने का आरोप लगाकर टैरिफ लगाए। साथ ही ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बताकर और आग में घी डालने का काम किया।

कनाडा में इसका भारी विरोध हुआ। हालांकि ट्रंप ने हालात संभालने के बजाय फिर से कनाडा पर टैरिफ बढ़ा दिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।